चैत्र माह, कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 72 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | बुधवार 06 अप्रैल 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

...और रुलाएगी महंगाई

पेट्रोल-डीजल 15 दिन में 9 रुपए से ज्यादा महंगा हुआ, मालभाड़ा 16% बढ़ने की आशंका, बिगड़ेगा बजट

नई दिल्ली: पेट्रोल और डीजल के दाम में लगातार हो रही बढ़ोतरी से ट्रांसपोर्टर्स और व्यापारी से लेकर आम लोग तक सभी प्रभावित हुए हैं। जिस रफ्तार से ईंधन के दाम बढ़ रहे हैं उसका सीधा असर बाजार पर हो रहा है।

पिछले 15 दिन में ही पेट्रोल और डीजल 9 रुपए 16 पैसे महंगे हो गए हैं। बाजार मामलों से जुड़े जानकार और व्यापारी कहते हैं कि इसका सीधा असर माल भाड़े पर पड़ेगा और इसमें 16% तक की बढ़ोतरी हो सकती है। मध्य प्रदेश ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन भोपाल के अध्यक्ष जसवीर सिंह कहते हैं कि पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ने से मालभाड़ा 16% तक बढ़ जाएगा। अगर ऐसा होता है तो इससे आम आदमी पर भी महंगाई का बोझ पड़ेगा।

डीजल की सबसे ज्यादा खपत ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर में: भारत में डीजल की सबसे ज्यादा खपत ट्रांसपोर्ट और एग्रीकल्चर सेक्टर में होती है। दाम बढ़ने पर यही दोनों सेक्टर सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। डीजल के दाम बढ़ने से खेती से लेकर उसे मंडी तक लाना महंगा हो गया है। इससे आम आदमी और किसान दोनों का बजट बिगड़ सकता है।

आम आदमी पर सीधा असर: अगर ट्रांसपोर्ट 16% महंगा होता है तो जिस वस्तु के दाम भी कम से कम ट्रासपोर्ट की लागत के हिसाब से बढ़ जाएंगे। जैसे मान लीजिए 1 क्विंटल गेहूं को मंडी तक लाने के लिए पहले 100 रुपए लगते थे, लेकिन ट्रांसपोर्ट महंगा होने से ये 116 रुपए हो जाएंगे। ये बढ़े हुए 16 रुपए आम आदमी से ही वसूले जाएंगे। इससे लोगों को गेहूं की कीमत 1.5% बढ़ जाएगी। इसी तरह का असर अन्य सामानों पर भी देखा जाएगा।

तेल के दाम बढ़ने से यात्री गाड़ियों का किराया भी बढ़ सकता है: ग्लोबल इम्पैक्ट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार पर असर हुआ है। इसके चलते ही पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ रही हैं। पेट्रोल, डीजल के दाम बढ़ने से मोटर व्हीकल के मामले में लगेज के रेट बढ़ेंगे। यात्री गाड़ियों में किराया भी बढ़ सकता है, लेकिन इसके लिए सरकार की अनुमति जरूरी होती है।

सरकार पेट्रोल-डीजल की कीमतें घटा क्यों नहीं देती?: दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 103.81 रुपए है। इसमें 27.90 रुपये केंद्र सरकार एक्साइज ड्यूटी और 17 रुपए राज्य सरकार वैट वसूलती है। इसी तरह डीजल के दाम 95.07 रुपए प्रति लीटर हैं जिसमें 21.80 रुपए केंद्र और 14 रुपए राज्य सरकार के हिस्से जाता है। देश के अन्य हिस्सों में भी पेट्रोल और डीजल पर लगने वाला टैक्स 50-60% तक है। पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर सरकार अपना खजाना भर रही है।

3 साल में पेट्रोल-डीजल से केंद्र सरकार की 8 लाख करोड़ की कमाई: जहां एक ओर कोरोना महामारी के कारण आम आदमी की आमदनी घटी है तो वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार ने पेट्रोल-डीजल पर टैक्स लगाकर खूब कमाई की है। बीते 3 सालों में जहां एक ओर प्रति व्यक्ति सालाना आय 1.26 लाख रुपए से घटकर 99,155 रुपए सालाना पर आ गई है, वहीं सरकार की एक्साइज ड्यूटी से कमाई 2,10,282 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,71,908 करोड़ पर पहुंच गई है। यानी बीते 3 साल में पेट्रोल-डीजल पर टैक्स (एक्साइज ड्यूटी) लगाकर सरकार ने 8 लाख करोड़ से ज्यादा की कमाई की है।

सीधे तौर पर पेट्रोल-डीजल खरीदने में महीने के बजट का 2.4% ही होता है खर्च: 2011 की जनगणना के मुताबिक, भारत के 4.5% घरों में कार और 21% घरों में मोटरसाइकिल है। कंजप्शन एक्पेंडिचर सर्वे (2011-12) के मुताबिक प्रत्येक व्यक्ति अपने महीने के कुल बजट का महज 2.4% ही पेट्रोल-डीजल खरीदने पर खर्च करता है। इसलिए कुछ लोग दावा करते हैं कि पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ने का आम आदमी के घरेलू बजट पर कोई सीधा असर नहीं होता।

14 दिन में पेट्रोल 8.40 रुपए हुआ महंगा

क्रूड ऑयल की कीमत भले ही 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब आ गई हो, लेकिन, इंडियन मार्केट में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है। दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत 40-40 पैसे बढ़ाई गई हैं। इसी के साथ दिल्ली में पेट्रोल के दाम बढ़कर 103.81 रुपए/ लीटर हो गए हैं और डीजल के दाम बढ़कर 95.07 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। पिछले 14 दिनों में आज 12वीं बार पेट्रोल डीजल की कीमत बढाई गईं। कीमत बढ़ाने का सिलसिला 22 मार्च से शुरू हुआ था। सिर्फ दो दिन 24 मार्च और 1 अप्रैल को दाम नहीं बढ़े।

रोजगार के मोर्चे पर राहत: मार्च में बेरोजगारी दर 7.6% पर आई

नई दिल्ली: मार्च में भारत की बेरोजगारी दर में गिरावट देखने को मिली है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआई) के मासिक आंकड़ों के मुताबिक, देश में बेरोजगारी की दर फरवरी में 8.10% थी, जो मार्च में घटकर 7.60% रह गई। सीएमआई के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2022 में शहरी बेरोजगारी की दर 8.50% और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए यह 7.10% रही है। छत्तीसगढ़ रोजगार के मामले में सबसे आगे रहा। यहां बेरोजगारी दर देश में सबसे कम 0.60% रही।

मई में बेरोजगारी दर 11.84% पर पहुंच गई थी: सीएमआई के मुताबिक 2021 में मई में बेरोजगारी दर 11.84% पर पहुंच गई थी। हालांकि इसके बाद इसमें गिरावट देखने को मिली और ये जनवरी 2022 में 6.57% पर आई थी, लेकिन फरवरी में ये फिर 8.10% पर पहुंच गई थी जो अब 7.60% पर आ गई।

इकोनॉमी की हेल्थ को दर्शाती है बेरोजगारी दर: सीएमआई के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत को बेरोजगारी दर सही तरह से दर्शाती है, क्योंकि यह देश की कुल जनसंख्या में कितने बेरोजगार हैं, इसको बताती है। थिंक टैंक को उम्मीद है कि रबी फसल की बुआई की शुरूआत में तेजी देखने को मिल सकती है। इसका मतलब है कि चालू वित्त वर्ष में एग्री सेक्टर एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करेगा। इससे प्रवासी मजदूर खेतों की ओर वापसी करेंगे।

चंडीगढ़ की लड़ाई: भाजपा-कांग्रेस एक साथ मैदान में उतरे

चंडीगढ़: हरियाणा विधानसभा के विशेष सत्र में मंगलवार को चंडीगढ़ पर पंजाब विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव का विरोध किया गया। सीएम मनोहर लाल ने चंडीगढ़, एसवाईएल व बीबीएमबी के मुद्दे पर सदन में सरकारी प्रस्ताव प्रस्तुत किया। साथ ही यह सिफारिश की गई कि चंडीगढ़ को पंजाब को स्थानांतरित करने के मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाए। सदन केंद्र सरकार से आग्रह करता है कि वह ऐसा कोई न कोई कदम उठाए, जिससे मौजूदा संतुलन न बिगड़े। जब तक पंजाब पुनर्गठन से उपजे मुद्दों का समाधान न हो जाए, तब तक सद्भाव बना रहना चाहिए। केंद्र सरकार से आग्रह है कि वह सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों की अनुपालना में एसवाईएल के निर्माण के लिए उचित उपाय करे। सीएम मनोहर लाल एसवाईएल नहर निर्माण व हिस्से का पानी दिलाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखेंगे। सुप्रीम कोर्ट को भी बताया जाएगा कि दोनों राज्यों के सीएम के साथ बैठकर चर्चा करने से भी यह मुद्दा हल नहीं होने वाला है, इसलिए फैसले को लागू करने के आदेश जारी करें।

जाकिर का फैन है गोरखनाथ में हमला करने वाला, मिला मंदिर का नक्शा

गोरखपुर: गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात पीएसी जवानों पर हमला करने वाले मुर्तजा के पास से सुरक्षा एजेंसियों को कई चौंकाने वाले सबूत मिले हैं। सूत्रों का दावा है कि आरोपी के बैग से मिली अरबी भाषा की मजहबी किताब में गोरखनाथ मंदिर का नक्शा था। साथ ही उसके लैपटॉप से कट्टरपंथी जाकिर नाइक के कई वीडियो मिले हैं। मुर्तजा मुंबई और नेपाल के कई संदिग्ध लोगों से चैटिंग करता था। उसके नेपाल-मुंबई कनेक्शन को खंगालने के लिए एटीएस रवाना हो गई है। सोमवार को एटीएस और एसआईटी की संयुक्त टीम महाराजगंज और सिद्धार्थनगर जिले में भी गई। बांसी से दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी कर रही है। हिरासत में लिए गए दोनों युवकों ने ही रविवार की शाम मुर्तजा को बाइक से गोरखनाथ मंदिर पहुंचाया था। उधर, आरोपी मुर्तजा को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। हालांकि पुलिस ने उसे 7 दिनों की रिमांड पर लिया है। उसका मेडिकल कराया गया है। जल्द ही उसे पुलिस घटनास्थल ले जा सकती है।

मरने और मारने पर उतारू था मुर्तजा: एटीएस का मानना है कि मुर्तजा को किसी आतंकी संगठन ने मोहरा बनाया है। किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए ये रिहर्सल किया गया है। घटना के वक्त मुर्तजा जिस तरह हथियार लिए सड़क से लेकर मंदिर परिसर में दौड़ रहा था, उससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि अगर उसके पास फायर करने का कोई हथियार या बम होता तो वह क्या कर सकता था।

संजय राउत की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली: पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को शिवसेना सांसद संजय राउत पर बड़ी कार्रवाई करते हुए उनकी संपत्ति कुर्क कर ली है। इस कार्रवाई के तहत जांच एजेंसी ने राउत के अलीबाग स्थित आठ प्लॉट और दादर में एक फ्लैट को कुर्क किया। इस बीच संजय राउत ने भी अपने ऊपर हुई ईडी की कार्रवाई पर रिपोर्टर्स से बात की। उन्होंने कहा, "मैं किसी से नहीं डरता। मेरी संपत्ति जब्त कर लें, या मुझे गोली मार दें या मुझे जेल में डाल दें।

अहमद पटेल के बेटे के बदले सुर: छोड़ सकते हैं कांग्रेस

नई दिल्ली: कांग्रेस के दिवंगत नेता और सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार रहे अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल ने कांग्रेस छोड़ने के संकेत दिए हैं। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि इंतजार करते-करते थक गया हूं। आलाकमान से कोई प्रोत्साहन नहीं है। अपने विकल्प खुले रख रहा हूं। अटकलें यह भी लगाई जा रही हैं कि वे आम आदमी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। क्योंकि पिछले साल अप्रैल में ही फैसल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी।

अहमद पटेल का नवंबर 2020 में निधन हुआ था: बता दें कि लंबी बीमारी के बाद अहमद पटेल का नवंबर 2020 में निधन हो गया था। पटेल सोनिया गांधी के सबसे करीबी नेताओं में से एक माने जाते थे। वे सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार भी थे। अहमद पटेल ने अपने बेटे फैसल और बेटी मुमताज को राजनीति से दूर रखा था। लेकिन अब उनके बेटे इच्छा जता रहे हैं। वहीं कुछ दिन पहले फैसल ने कहा था कि उन्हें पता नहीं है कि राजनीति में उन्हें आसानी से प्रवेश मिल पाएगा कि नहीं। उन्होंने कहा कि मैं पर्दे के पीछे से कांग्रेस के लिए काम करता रहा हूं।

भरूच और नर्मदा जिलों के दौरे पर हैं फैसल: फैसल ने फिलहाल भरूच और नर्मदा जिलों की 7 विधानसभा सीटों के दौरे पर हैं। मेरी टीम राजनीतिक स्थिति की वर्तमान वास्तविकता का आकलन करेगी और हमारे मुख्य लक्ष्य को पूरा करने के लिए जरूरत पड़ने पर बड़े बदलाव करेगी।

'हिन्दी, अंग्रेजी के अलावा स्थानीय भाषाओं में भी हो केंद्र के साइन बोर्ड'

नई दिल्ली: राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार के सभी साइन बोर्ड को अंग्रेजी, हिन्दी के अलावा स्थानीय भाषाओं में भी अनिवार्य होना चाहिए। सदन में शून्यकाल की कार्यवाही के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सुखेंदु शेखर राय ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा केंद्र सरकार के सभी साइन बोर्ड सभी स्थानों पर हिन्दी, अंग्रेजी में ही होते हैं, इस कारण लोगों को समस्याएं होती हैं। उन्होंने मेट्रो ट्रेन में भी यह व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। सभापति ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संसदीय कार्य राज्यमंत्री वी. मुरलीधरन से कहा कि केंद्र सरकार के सभी साइन बोर्ड हिन्दी, अंग्रेजी के साथ ही स्थानीय भाषाओं में भी होना अनिवार्य होना चाहिए। उन्होंने मुरलीधरन को कहा कि सरकार उनके निर्देश का पालन सुनिश्चित कराए।

सरकार ने बंद कराए 22 यू-ट्यूब चैनल, चला रहे थे देश विरोधी एजेंडा

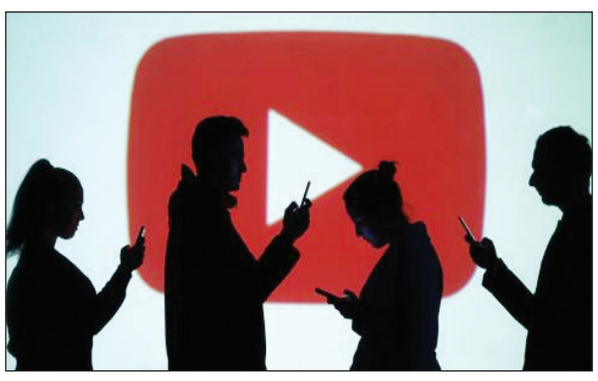

नई दिल्ली: सरकार ने देशविरोधी एजेंडा चलाने वाले बाईस यू-ट्यूब चैनल, तीन ट्विटर अकाउंट, एक फेसबुक अकाउंट और एक न्यूज वेबसाइट को ब्लॉक करने के आदेश जारी किए हैं। सूचना-प्रसारण मंत्रालय के अनुसार आईटी नियम, 2021 के तहत आपातकालीन शक्तियों का उपयोग करते हुए ऐसा किया गया है। मंत्रालय का कहना है कि इनका इस्तेमाल नकली समाचार और सोशल मीडिया पर समन्वित दुष्प्रचार फैलाने के लिए किया जाता था। ब्लाक किए गए यू-ट्यूब चैनलों की कुल दर्शकों की संख्या 260 करोड़ से अधिक थी। पिछले साल फरवरी में आईटी नियम, 2021 की अधिसूचना के बाद से भारतीय यू-ट्यूब चैनलों पर पहली बार कार्रवाई की गई है। ब्लॉक किए गए यू-ट्यूब चैनलों में से अठारह (18) भारतीय और चार (4) पाकिस्तान आधारित हैं। सामग्री का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि इन चैनलों का इस्तेमाल भारतीय सशस्त्र बलों, जम्मू और कश्मीर जैसे विभिन्न विषयों पर फर्जी समाचार पोस्ट करने के लिए होता था । यह भी देखने में आया है कि इन भारतीय यू-ट्यूब आधारित चैनलों पर यूक्रेन में चल रही स्थिति से संबंधित भारत को लेकर बड़ी संख्या में झूठी सामग्री मौजूद है।

रूस के खूंखार सैनिकों का कोहराम, हाथ-पैर बांधकर मारते थे

कीव: बूचा... यूक्रेन का वो शहर जिसका नाम सुनते ही लोग खौफ खाने लगे हैं। यहां मौत का ऐसा तांडव हुआ कि आपकी रूह कांप जाएगी। इसे अंजाम दिया रूस के सबसे खूंखार चेचेन सैनिकों ने। 40 दिन तक रूस के इन सैनिकों ने इस शहर को कब्रगाह में बदल दिया। जो तस्वीरें सामने आईं वो दर्दनाक हैं। यूक्रेनियन के हाथ-पांव बांधकर सिर में गोली मारी। महिलाओं के साथ रेप किया। पूरे शहर में लाशों का ढेर है। तस्वीर सामने आते ही यूक्रेन की सेना भी यहां पहुंच गई। अब तक 400 से ज्यादा शवों को बरामद किया जा चुका है। इनकी संख्या बढ़ती ही जा रही है। कई लाशें बुरी तरह से बदबू मार रही हैं। यूक्रेन का आरोप है कि रूस की ओर से युद्ध अपराध का यह सबसे बड़ा उदाहरण है।

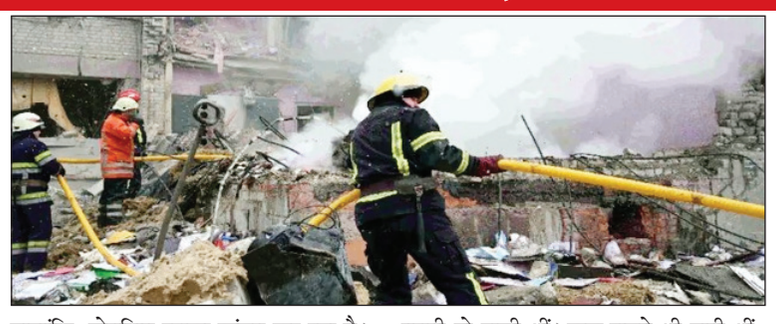

हालांकि, क्रेमलिन इसका खंडन कर रहा है।

यूक्रेन में सामूहिक कब्रगाह की सैटेलाइट तस्वीर: यूक्रेन की राजधानी कीव से करीब 46 किलोमीटर दूर बूचा शहर में इस नरसंहार की काहानी शुरू हुई। यूक्रेनी सेना को यहां पर एक साथ 410 लाशें मिलीं। ये लाशें काफी पुरानी हो चुकी थीं। कुछ सड़ने भी लगी थीं, तो कईयों के हाथ बंधे हुए थे। दावा है कि, इन लोगों को यातनाएं देने के बाद बहुत पास से गोली मार दी गई। कई लाशों के पैरों, माथे और सीने पर गोली के निशान भी मिले हैं। यूक्रेनी मीडिया के हवाले से आ रही खबरों के मुताबिक, यहां लाशें अब तक बरामद हो रही हैं। रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला किया था। इसके बाद कीव पर कब्जा करने के लिए रूसी सेना सबसे पहले बूचा ही पहुंची थी। बूचा से कुछ किलोमीटर दूर होस्टोमेल हवाई अड्डे से उतरकर वे बख्तरबंद वाहनों से शहर में दाखिल हुए थे। इसके बाद टैंकों और बख्तरबंद वाहनों के जरिए वे कीव की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन यहां यूक्रेनी सेना ने उनका कड़ा मुकाबला किया और रूसी सैनिकों को बूचा में ही रोक दिया। तब से रूसी सैनिकों ने बूचा को ही अपना ठिकाना बना लिया और इसे कब्जे में लेकर कथित नरसंहार किया। 30 मार्च को इस शहर को रूसी सैनिकों ने पूरी तरह खाली कर दिया था। यानि, पूरे 40 दिन तक रूसी सैनिक इस शहर में रहे।

यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड मामले में केंद्र सरकार के कई मंत्रालयों को नोटिस

नई दिल्ली: दिल्ली हाई कोर्ट ने विदेशी मुद्रा विनिमय के लिए यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय, विधि और न्याय मंत्रालय और वित्त मंत्रालय को नोटिस जारी किया है। कार्यकारी चीफ जस्टिस एनवी रमना की अध्यक्षता वाली बेंच ने चार हफ्ते के अंदर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि अगर यूनिफॉर्म बैंकिंग कोड लागू किया जाएगा तो इससे कालाधन को रोकने में मदद मिलेगी। याचिका में विदेशी मुद्रा विनिमय के लिए भारतीय बैंकिंग सिस्टम की खामियों को उजागर किया गया है। याचिका में कहा गया है कि विदेश के किसी भी स्रोत से किसी भी भारतीय खाताधारक के खाते में आरटीजीएस, एनईएफटी, आईएमपीएस या किसी दूसरे तरीके से धन ट्रांसफर कर सकता है। याचिका में कहा गया है कि विदेशों से आने वाले धन का देश में आतंकी और दूसरी गैरकानूनी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में विदेशों से आने वाले धन को केवल इंटरनेशनल मनी ट्रांसफर के जरिए ही ट्रांसफर करने की इजाजत दी जानी चाहिए ताकि धन भेजने वाले स्रोत का पक्का पता चल सके।

खबर संक्षेप

परीक्षा के दौरान बाइक व साइकिल जलने का मुकदमा दर्ज

सहसों। थरवई थाना क्षेत्र के देवनहरी स्थित श्री कृष्ण इंटर कॉलेज में सोमवार को बोर्ड की परीक्षा चल रही थी। परीक्षार्थी गेट के बाहर अपनी बाइक और साइकिल खड़ी कर अंदर बैठकर परीक्षा दे रहे थे। इसी बीच अचानक आग लगने से आधा दर्जन बाइक और साइकिल जलकर राख हो गई। परीक्षार्थी थाना क्षेत्र के हेतापट्टी गांव निवासी विनोद कुमार कनौजिया व रोहित कुमार भारतीय, माशू सिंह, शिव शक्ति सिंह, रोहित और शिवा कनौजिया ने पुलिस को दिए गए तहरीर में बताया कि आग लगने से छह बाइक, बाइक की डिग्गी में रखा हुआ मोबाइल और तीन साइकिल जल गया है। पुलिस ने तहरीर पाने के बाद मामले में इतफाकिया दर्ज किया है।

छात्र का शव घर पहुंचा तो मचा कोहराम, परिजन हुए बेसुध

अखंड भारत संदेश

दारोगा के बेटे आशीष यादव का मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर कई थानों की पुलिस व पीएसी रही मौजूद

हनुमानगंज। दारोगा के बेटे आशीष यादव का मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचा तो कोहराम मच गया। तनाव को देखते हुए कई थानों की पुलिस के साथ पीएसी के जवान मौजूद रहे। गांव के सामने गंगा तट पर शव का अंतिम संस्ककार किया गया। सरायइनायत थाना क्षेत्र के पाली करनपुर गांव निवासी पीएसी दरोगा बाबूचंद्र यादव के बेटे आशीष कुमार यादव को सोमवार शाम सरेआम चुनावी रंजिश के चलते गांव का ही एक युवक गोली मारकर हत्या कर दिया था। मृतक के भाई अलोक की तहरीर पर ग्राम प्रधान संतोष कुमार यादव व नन्हे तिवारी उर्फ राजगुरु सहित 11 के खिलाफ बलवा, धमकी, हत्या सहित संगीन धाराओं में रिपोर्ट दर्ज किया गया हैं। मंगलवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद आशीष का शव जब हत्यारोपितों के घर के सामने से गुजरा तो अचानक कुछ लोग आक्रोशित हो गए। किंतु फूलपुर सीओ रामसागर झूंसी, फूलपुर, थरवई, बहरिया, सरायइनायत तथा एक टुकड़ी पीएसी के साथ सतर्क रहें और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करा दिया। अशिस का शव घर के दरवाजे पर पहुंचते ही हाहाकार मच गया। मां बहनों की चित्कार से लोगों की आंखें नम हो गई।

घर पर रोते बिलखते परिजन

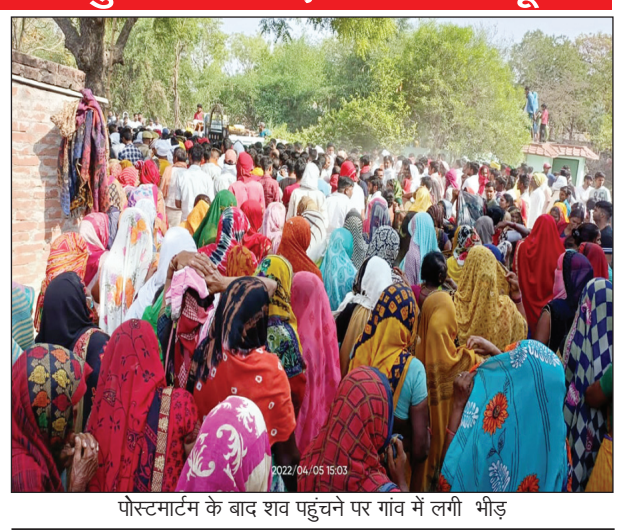

पोस्टमार्टम के बाद शव पहुंचने पर गांव में लगी भीड़

परिजनो को सांत्वना देने पहुचीं विधायक

आशीष यादव के घर शव के साथ प्रतापपुर विधायक विजमा यादव पहुंची तो महिलाएं उनसे लिपट कर दहाड़े मारने लगी। विधायक ने शोक संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें ढ़ाढ़स बंधाया।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सरकार को घेरा

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने घटना की सन्दर्भ में टियूट कर सरकार पर हमला बोलते हुए हुए कहा की प्रदेश में अपराध की बुलेट ट्रेन दौड़ रही है। भाजपा के दूसरे कार्यकाल में बैंक लूट, लाकर चोरी, बलात्कार, गोलीकांड और हत्या की घटनाएं निरंतर बढ़ी है।

खाना बनाते समय आग से झुलसा युवक , इलाज के दौरान मौत

लालापुर। क्षेत्र के नौढिया गांव में मंगलवार की दोपहर खाना बनाते समय आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गया ।आनन फानन में मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे युवक को एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया । लालापुर थाना क्षेत्र के नौढिया गांव निवासी मैहर पुत्र ननका (40) मंगलवार की दोपहर अपने खपरैल घर के अन्दर खाना बना रहा था ।अचानक चिंगारी निकली और घर में आग लग गई । आग लगने की जानकारी जब तक मैहर को होती वह भी आग की चपेट में आ गया और बुरी तरह से झुलस गया । मैहर ने शोर मचाना शुरू किया तो आस पास के लोग पहुंचे और किसी तरह आग को बुझाकर मैहर को बाहर निकाले । इस बीच मैहर की पत्नी अनीता खेत में थी उसे सूचना मिली तो भी रोते हुए घर पहुंची । बताया कि मैहर की मानसिक स्थिति कई वर्षों से ठीक नही थी । मौके पर पहुंची पुलिस ने झुलसे मैहर को एम्बुलेंस से इलाज के लिए अस्पताल भेजा ।जहां उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई है। गरीब परिवार के लिए लालापुर थाना अध्यक्ष शेर बहादुर सिंह नें आर्थिक रूप से मदत की दूसरी ओर बारा विधायक वाचस्पति को जब जानकारी मिली तो परिजन के घर जाकर आर्थिक रूप से मदद की और हर संभव मदद दिलाने का प्रयास भी किया इस मौके पर प्रधान पति सूरज शुक्ला, लालापुर प्रधान लाल पाण्डेय,शेष द्विवेदी, कक्का, दरोगा शुक्ला, नें इस गरीब को आज ग्रुप से मदद की।

अर्चना की मौत को लेकर कमिश्नर से मिला डाक्टरों का प्रतिनिधि मण्डल

अखंड भारत संदेस

कमिश्नर से मिला डाक्टरों का प्रतिनिधि मंडल

करछना। बीते दिनों राजस्थान में गहरे सदमे के चलते हुई डाक्टर अर्चना शर्मा की मौत को लेकर डाक्टरों में गहरा शोक व्याप्त है।डाक्टर वेल फेयर एसोशिएशन और नर्सिग होम एसोशिएशन से जुड़े डाक्टरों के प्रतिनिधि मण्डल ने अध्यक्ष डॉ.सुशील सिन्हा और डॉ.अवनीश सक्सेना के नेतृत्व में प्रयागराज के मण्डलायुक्त से मुलाकात की।इस दौरान बिगत दिनों हुई डॉ.अर्चना की मौत को लेकर रोष व्यक्त करते हुए कहा कि मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश की अवहेलना करते हुए बिना किसी तथ्य की सही जांच किए स्थानीय नेताओं और प्रशासन की सांठ-गांठ के चलते अर्चना पर जबरन मुकदमा लाद दिया गया।इसके चलते वह कई दिनों से गहरे हादसे में थी और उसकी मौत हो गई।डाक्टरों ने कहा कि प्रयागराज में कोरोना काल के दौरान लोगों की सेवा करते हुए कई डाक्टरों ने भी अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी।जिसके लिए समाज के लोगों को भी सोचना चाहिए।प्रतिनिधि मण्डल से सार्थक वार्ता करते हुए मण्लायुक्त ने कोरोना काल में डाक्टरों की सेवा हेतु प्रशंसा की और कहा कि भविष्य में इस तरह की घटना न घटे इसके लिए प्रशासन भी चिकित्सकों के साथ संवेदनपूर्ण ढंग से हर सहयोग करेगा। इस मौके पर डॉ.आलोक मिश्रा, डॉ.भगवत पाण्डेय, ड़ॉ. पीयूष दीक्षित, डॉ. आशीष टंड़न, डॉ. प्रकाश खेतान, डॉ. व्यंजना पाण्डेय, डॉ. अमिता राज वेदी, डॉ. पल्लवी सिंह समेत कई चिकित्सक मौजूद रहे।

निमिया के पेड़वा मैया करे है बसेरा है भजन पर झूमे श्रोता

सहसों। नव संवत्सर के चैत्र नवरात्र का आरंभ होते ही जगह जगह मां का जगराता एवं जागरण से पूरा क्षेत्र माता के जयकारों से गुंजायमान है। क्षेत्र के दुर्गा मंदिरो माता चौरा मंदिर पर मां के कुष्मांडा रूप की फूलों से भव्य श्रृंगार कर उन्हें फल तथा मेवे का भोग लगाया गया। फतेहपुर से आए कलाकार अरुण शास्त्री ने जागरण प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। जागरण का शुभारंभ आयोजक मंडल के दयाशंकर तिवारी द्वारा मां की पूजा अर्चना के पश्चात शुरू किया गया। जागरण का शुभारंभ प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी गीत पर उपस्थित श्रोता झूम उठे तथा जय माता दी के जयकारे से पूरा पंडाल गुंजायमान रहा इसी प्रकार चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है, निमिया के पेड़वा मैया करे है बसेरा आदि गीतों पर भक्त नर नारी रात भर रात झूमते रहे तथा माता रानी के जयकारे लगाते रहे।

भारत सरकार महिला सशक्तिकरण पर कर रही है सराहनीय प्रयास : आदित्य तिवारी

संतोष यादव

एनआरएलएम एक अनूठी पहल :

करछना। ग्राम्य विकास विभाग द्वारा संचालित भारत सरकार की अति महत्वाकांक्षी परियोजना राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन एवं महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन के लिए बहुत ही सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं ,जिसके तहत प्रत्येक विकासखंड के ग्राम पंचायतों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे परिवार के महिलाओं को समूह से संबद्ध कर आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है जिसके तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में विभिन्न कार्य महिलाओं द्वारा किए जा रहे हैं जिसमें बैंकिंग कारेस्पेंडेंट सखी, सामुदायिक शौचालय केयरटेकर, ड्राई राशन पैकिंग तथा अन्य आजीविका गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है जिसके तहत विकासखंड करछना के ग्राम पंचायत रामगढ़ के पार्वती आजीविका स्वयं सहायता समूह की सदस्य सरिता कनौजिया पत्नी गुलाबचंद द्वारा समूह से ऋण लेकर ई-रिक्शा खरीदा गया जो कि इनके परिवार के भरण-पोषण का एक जरिया बनेगा जिससे कि प्रतिदिन आमदनी करके आर्थिक संबल एवं रोजगार भी मिलेगा। जिसका उद्घाटन विकासखंड परिसर में खंड विकास अधिकारी करछना रामविलास राय द्वारा वाहन की चाभी सौंप कर किया गया तथा सहायक विकास अधिकारी रामेश्वर सिंह द्वारा समूह को प्रेरित कर शुभकामनाएं दी गई एवं रोजगार से जोड़कर प्रतिदिन आमदनी करने का सुझाव दिया गया। वहीं ब्लॉक परियोजना प्रबंधक आदित्य तिवारी द्वारा विकासखण्ड के प्रत्येक ग्राम पंचायत में ऐसी आजीविका गतिविधि संचालित कराने का आश्वासन दिया गया जिससे की ग्रामीण महिलाएं परिवार के पालन पोषण के साथ साथ आर्थिक उन्नति में भी सहायक बनें। बीएमएम धर्मेंद्र यादव द्वारा समूह को प्रेरित कर समूह के सदस्य को रोजगार उन्मुख कार्य से जोड़ा गया ।वहीं मौके पर ग्राम विकास अधिकारी कमल सिंह, कंप्यूटर सहायक गुलाम गौस, बृजेश यादव , रविंद्र पटेल आदि मौके पर उपस्थित रहे ।

पुलिस और आइटीबीपी के जवानों ने फ्लैग मार्च कर, ग्रामीणों को दिया सुरक्षा का भरोसा

जारी। चैत्र की नवरात्रि रमजान और आने वाले आगामी एमएलसी चुनाव के मद्देनजर दिन मंगलवार को जारी कस्बे में पुलिस और आईटीबीपी के जवानों ने फ्लैग मार्च कर क्षेत्रीय ग्रामीणों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया ।क्षेत्राधिकारी बारा के अगुवाई में बारा तहसील क्षेत्र के जारी, सेमरी, निरौधा, कौंधियारा, सेहरा, अकोढा, बारी बजैहा , आदि गांव में ग्रामीणों को आगामी एमएलसी चुनाव में भयमुक्त होकर मतदान किए जाने को लेकर फ्लैग मार्च किया गया। लोगों से आगामी आने वाले एमएलसी चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से मतदान किए जाने को लेकर अपील की गई। क्या कहते हैं जिम्मेदार-सी ओ बारा ने बताया कि सर्किल के कौंधियारा थाना क्षेत्रों में आईटीबीपी कंपनी अर्धसैनिक बलों के साथ फ्लैग मार्च किया जा रहा है ।जिससे आगामी एमएलसी चुनाव में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान हो सके। साथ ही साथ लोगों से कहा कि अगर कोई भी दबंग किस्म का व्यक्ति अनावश्यक रूप से मतदाता को परेशान करता है ।प्रलोभन देता है ।तथा वोट न डालने की धमकी देता है तो तुरंत पुलिस को सूचना दे पुलिस ऐसे अराजक तत्वों से सख्ती से निपटेगी ।फ्लैग मार्च में मौजूद क्षेत्राधिकारी बारा सी ओ विमल किशोर मिश्र कौंधियारा थाना प्रभारी विनोद कुमार सिंह जारी चौकी प्रभारी पंकज कुमार त्रिपाठी समेत भारी पुलिस बल एवं आइटीबीपी कंपनी के जवान मौजूद रहे।

रुक्मिणी-कृष्ण विवाह में झूमे भक्त, पांव पूज लिया आशीष

छठवें दिन की महाआरती में उमड़ी भीड़, सातवें दिन बारा विधायक ने भी सुनी भागवत कथा,अंतिम दिन विशाल यज्ञ, हवन-पूजन के साथ होगा समापन

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। आर्य रामवाटिका शंकरगढ़ में चल रही श्रीमदभागवत कथा के छठवें दिन रुक्मिणी-कृष्ण विवाह के प्रसंग पर कथाव्यास आचार्य विकास महाराज ने कथा सुनाई। कथा वाहन के दौरान रुक्मिणी और कृष्ण के विवाह का आयोजन भी किया गया। विवाह के दौरान भक्तों ने पांव पूजकर (पवपुजी) कर आशीष मांगा।

संगीतमय श्रीमदभागवत कथा के दौरान आचार्य विकास महाराज ने कहा कि किसी से भी अपेक्षा करना ही दुख का मूल कारण है। यदि हम किसी से भी अपेक्षा न करें तो हमारा जीवन सुखमय व्यतीत होगा। कहा कि यह शरीर हमारा नहीं है। आत्मा शरीर से अलग है। आत्मा से ही हमारा अस्तित्व है। कहा कि हमारी पहचान, हमारे काम से है। नाम बदलने से व्यक्ति का स्वरूप नहीं बदलता, काम ही हमें पहचान दिलाता है। इसलिए सभी को सद्कर्म की तरफ बढ़ना चाहिए। आचार्य विकास जी महाराज ने भागवत कथा के दौरान अपने भजन- श्याम की याद में छोड़ दिया दाना -पानी, मैं तो वृंदावन जाऊंगी और मैं तो कहूं सांवरिया बांसुरी वाला, कोई कहे गोविंदा, कोई गोपाला, के जरिए श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। भागवत कथा के सातवें दिन बारा विधायक डा.वाचस्पति भी आर्य राम वाटिका पहुंचे और कथाव्यास की पीठ पर जाकर आशीष लिया। इसके बाद उन्होंने भी भक्तों के साथ बैठकर कथा सुनी। 30 मार्च से आयोजित भागवत कथा का समापन छह अप्रैल को किया जाएगा। भागवत कथा में प्रतिदिन सुबह सात बजे से 11 तक वेदी पूजन, पारायण और दूसरे पहर तीन से सात बजे तक भागवत कथा का आयोजन किया गया। श्रीमद भागवत कथा की मुख्य यजमान निर्मला देवी, शकुंतला देवी ने सभी क्षेत्रवासियों से अंतिम दिन विशाल यज्ञ, हवन-पूजन में शामिल होने की अपील की है। इस मौके पर बारा विधायक डॉ वाचस्पति, कोरांव तहसीलदार डॉ विशाल शर्मा,नायब तहसीलदार, सप्लाई इंस्पेक्टर, डॉ विनोद त्रिपाठी, गोपाल दास गुप्ता, शिवराम सिंह परिहार, चतुर्भुजदास गुप्ता, रामखेलावन गुप्ता, सोहनलाल केसरवानी, समाजसेवी सुधा गुप्ता, ब्रह्म नारायण केसरवानी, रोहित केसरवानी, महेश कुमार, मुखिया केसरवानी, रामायण शुक्ल, रोहित केसरवानी, विनोद कुमार केसरवानी, शिवसेवक उर्फ टमाटर गुरु, पूर्व चेयरमैन अनुपमा वैश्य, अनूप केसरवानी,रतन केसरवानी, मसुरियादीन वर्मा,अशोक तिवारी, रमेश मिश्रा, राजेश केसरवानी,कुशल जैन,मीना केसरवानी, श्वेता केसरवानी, रंगीता केसरवानी, उमा वर्मा, खुशबू केसरवानी मौजूद रहीं। जबकि कथा और भजन के दौरान वाद्य यंत्र पर धीरज तिवारी, रामसागर शुक्ल, विपिन मिश्र संगत की।

भजन संध्या और कवि सम्मेलन से सजेगी शाम

शंकरगढ़। आज आठवें दिन शाम के समय हवन यज्ञ के साथ भजन संध्या और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। कवि सम्मेलन में संत कवि अक्षय शिवम शुक्ल (प्रयागराज), इंजीनियर अश्विन राम (एनटीपीसी), आलोकजी कविनाथ (कोरांव), सुरेश भाई ओम शांति (शंकरगढ़) और केशरी प्रसाद नंदन (हनुमना, रींवा) और हास्य कवि ठाकुर इलाहाबादी ने प्रतिभाग करेंगे ।इसीतरह भजन संध्या में शैलेंद्र सिंह ग्रुप कमेटी और धीरज तिवारी, रामसागर शुक्ल, विपिन मिश्र आदि अपनी भजन गायकी करेंगे।

शिक्षित बच्चे ही देश का भविष्य हैं : विधायक गुरुप्रसाद

अखंड भारत संदेश

मुख्यमंत्री के स्कूल चलो अभियान का टीवी पर लाइव प्रसारण देखने कौड़िहार बीआरसी पहुंचे विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, माल्यार्पण कर विधायक का स्वागत, स्मृति चिह्न भी भेंट किया गया

कौड़िहार बीआरसी में विधायक गुरु प्रसाद मौर्य को स्मृति चिन्ह भेंट करते बीईओ ओपी मिश्रा। तथा बीआरसी से सटे नवाबगंज प्राथमिक विद्यालय में मध्यान्ह भोजन चखते विधायक गुरु प्रसाद मौर्य।

लालगोपालगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्कूल चलो अभियान का खोडियार बीआरसी में लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसके लिए टीवी और प्रोजेक्टर का बकायदा इंतजाम किया गया था। मुख्यमंत्री के लाइव उद्बोधन सुनने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक बीआरसी पहुंचे। जहां उन्होंने अपने विचार भी व्यक्त किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लाइव प्रसारण के माध्यम से स्कूल चलो अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया। जिस का सजीव प्रसारण देखने के लिए खोडियार बीआरसी में फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। बीआरसी में विधायक के प्रथम बीआरसी आगमन पर खंड शिक्षाधिकारी ओम प्रकाश मिश्रा ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्राथमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष राधे कृष्ण, मंत्री बालेंद्र पांडे, ए आर पी जय सिंह, अजमल अमीन अंसारी, विष्णु मिश्रा ने भी विधायक का माल्यार्पण किया। तत्पश्चात बीईओ ने विधायक को स्मृति चिन्ह भेंट किया। विधायक ने अपने उद्बोधन में कहा कि इंग्लिश मीडियम के विद्यालय से ज्यादा सरकारी स्कूल के अध्यापक योग्य हैं। विद्यालय को गोद लेकर कायाकल्प करने की कवायद शुरू है। यही बच्चे देश के भविष्य हैं। उत्कृष्ट और अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को विधायक ने सम्मानित किया। बीआरसी से सटे नवाबगंज विद्यालय में पहुंचकर विधायक ने मध्यान्ह भोजन भी चखा। इस मौके पर अविनाश कुमार, हनुमान, अनिल, विनय, राम लखन, निर्मला राय आदि मौजूद रहे।

देश की प्रगति में ग्राम पंचायतों का विशेष योगदान

अखंड भारत संदेश

सहसों। देश की प्रगति व उन्नति के लिए ग्राम पंचायतों का विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। उक्त बातें मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत विकासखंड सहसों क्षेत्र के गांव बगई कला के ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह के अभिनंदन समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी पिंटू दुबे ने कही। उन्होंने कहा जागरूक जनप्रतिनिधि गांव की चौमुखी विकास के लिए सदैव तत्पर रहता है। ग्राम प्रधान की गांव के विकास करने मे मेहनत, लगन को देखते हुए पुरस्कार के रूप में गांव के विकास की गति को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा सहसों ब्लॉक में यह दूसरी बार है कि मुख्यमंत्री ने सम्मानित किया।पहली बार 2021 में बभनकुइया के ग्राम प्रधान मंजू सिंह तथा दूसरी बार मार्च 2022 में मनापुर उर्फ बगई कला के ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर को यह पुरस्कार मुख्यमंत्री योगी ने दिया। यह हम सब के लिए बड़े गर्व की बात है। इस मौके पर वीरू पांडे ने कहा युवा प्रतिनिधित्व से अन्य गांव के प्रतिनिधि को प्रेरणा लेनी चाहिए तथा गांव की प्रगति के लिए निरंतर प्रयत्न करना चाहिए। उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने ग्राम प्रधान प्रताप बहादुर सिंह को माल्यार्पण कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस मौके पर अधिवक्ता बिजेंद्र मिश्रा, दिनेश शुक्ला, योगेश परमार, लालजी दुबे, बांके पाल सहित आदि लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री द्वारा पुरस्कृत ग्राम प्रधान का स्वागत करते लोग।

खबर संक्षेप

अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना संजय सिंघल आदेश का करें पालन या हाजिर हों

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपर पुलिस महानिदेशक स्थापना संजय सिंघल को अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने आदेश का पालन करने या स्पष्टीकरण के साथ 29 जुलाई को हाजिर होने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि प्रथमदृष्टया अपर महानिदेशक के खिलाफ अवमानना का केस बनता है। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव ने श्रावस्ती की स्थानीय इंटेलिजेंस इकाई में निरीक्षक आनंद कुमार की अवमानना याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि 24 अक्टूबर, 1999 के शासनादेश के अनुसार उसका तबादला सिविल पुलिस में किया जाना चाहिए। उसने प्रत्यावेदन भी दिया। हाईकोर्ट ने 14 सितंबर, 2021 को याची का प्रत्यावेदन तय करने का निर्देश दिया है। जिसकी अवहेलना करने पर यह अवमानना याचिका दायर की गई है। कोर्ट ने कहा कि यदि विपक्षी आदेश का पालन कर देते हैं, तो उन्हें हाजिर नहीं होना होगा। केवल अनुपालन हलफनामा दाखिल करना होगा।

प्रयागराज पुलिस ने साइबर गैंग को दबोचा

फर्जी आधार कार्ड से सिम करते थे एक्टिवेट, फर्जी आधार कार्ड से खोलते थे खाता

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर के साइबर क्राइम परिक्षेत्र टीम की ओर से ऑनलाइन ठगी में सहयोग करने के जुल्म में जियो कंपनी के पूर्व मैनेजर सहित अन्तर्राज्यीय गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों शातिर पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। ये शातिर फर्जी आधार कार्ड से सिम एक्टिवेट कर साइबर अपराधियों को रुपये के लालच में बेच देते थे।

बिहार व झारखंड के साइबर अपराधियों को बेचते थे सिम

आईजी रेंज डाक्टर आरके सिंह ने पत्रकारवार्ता में बताया कि सुजान मंडल पुत्र स्वपन कुमार मण्डल निवासी बोक्सी नगर, हबीबनगर, जिला मालदा, पश्चिम बंगाल, विश्वजीत बर्मन पुत्र उत्तम बर्मन निवासी हलदरपारा थाना हबीबनगर जिला मालदा व आशीष बर्मन पुत्र बीरेन बर्मन निवासी हलदरपारा थाना हबीबनगर जिला मालदा पश्चिम बंगाल को पुलिस हिरासत में लिया गया।

पुलिस के गिरफ्त में साइबर ठग

इन आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि आधार कार्ड में नाम पता बदलकर बदले गए पते पर सिम चालू कर लेते है और उसे बिहार, झारखंड में रुपये के लालच में एक्टिवेट सिम बेच देते हैं।

गौरतलब है कि आरोपितों से पश्चिम बंगाल निवासी आलम सेठ ही सिम खरीदता था। फिर वह अन्य लोगों को देता था। इससे पहले इसी गैंग के छह अन्य आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

फेक आधार कार्ड से खोलते थे खाता

एक्टिवेटेड सिम के साथ साइबर अपराधियों को फेक आधार कार्ड भी शातिरों की ओर से मुहैया करा दिया जाता था। इसी आधार कार्ड से साइबर अपराधी बैंक खाता खोलते थे।

जब किसी से ऑनलाइन ठगी करते थे तो फेक आईडी पर खोले खाते में रुपया ट्रांसफर कर देते थे। बाद में साइबर अपराधी बैंक से पूरा रुपया निकालकर खाता व सिम बंद कर देते थे। चूंकि फेक आईडी होने की वजह से अपराधियों को पुलिस नहीं पकड़ पा रही थी।

दो वर्ष पूर्व ठगी का इनपर था मुकदमा

2020 में प्रयागराज के कीडगंज निवासी किलाकर्मी से एयरटेल में रिचार्ज के नाम पर 16 लाख 78 हजार 390 रुपए की ठगी हुई थी। इसको लेकर साइबर थाना प्रयागराज में मुकदमा कायम हुआ था।इसको लेकर जांच में पता चला था कि कूट रचित दस्तावेज के आधार पर दिए गए मोबाइल सिम का उपयोग ठगी में किया गया था। उसके आधार पर आगे की कार्यवाही करते हुए सुजान मंडल व अन्य अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

राज्य बैडमिंटन प्रतियोगिता में शुआट्स फैकल्टी ने जीता मिक्सड डबल का अवार्ड

नैनी। उत्तर प्रदेश राज्य मास्टर्स (वेटरन) बैडमिंटन प्रतियोगिता में शुआट्स फैकल्टी ने मिक्सड डबल का अवार्ड जीतकर कृषि विश्वविद्यालय और प्रयागराज का गौरव बढ़ाया। बता दें कि आईएफटीएम विश्वविद्यालय आगरा में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा राज्य मास्टर्स (वेटरन) बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मिक्सड डबल कैटेगरी में फाइनल मैच शुआट्स फैकल्टी डा सी जॉन वेस्ले, कानपुर की मधुमिता मिश्र और गाजियाबाद की अदिति पटवाल व अनुज भास्कर के बीच खेला गया था। कड़े मुकाबले में डा सी जॉन वेस्ले और मधुमिता मिश्र ने 21-12, 21-17 से फाइनल मैच जीतकर मिक्सड डबल का अवार्ड अपने नाम किया। इस उपलब्धि के लिए शुआट्स के कुलपति प्रो० राजेंद्र बी लाल सहित विश्वविद्यालय प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

बाहर सराय में निकाली गई सर्व शिक्षा अभियान की रैली, लोगों में उत्साह

अखंड भारत संदेश

सोरांव। नवीन सत्र में बच्चों के नामांकन हेतु अभिभावकों को जागरूक एवं प्रेरित करने के उद्देश्य से प्राथमिक विद्यालय हरिजन बस्ती सराय बाहर एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय के संयुक्त रुप से बच्चों के साथ मंगलवार को एक रैली निकाली गई।

अभिभावकों से संपर्क के दौरान शिक्षकों ने कहा सरकारी विद्यालयों में मिलने वाले गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा निःशुल्क सुविधाओं से अवगत कराया तथा विद्यालय परिवेश को आकर्षक बनाने के लिए सेल्फी प्वाइंट भी लगाया गया है। बच्चों को कला क्राफ्ट के अंतर्गत नित प्रयोग वस्तुओं से आकर्षक उपयोगी वस्तुएं बनाना सिखाया जा रहा है। प्राथमिक विद्यालय हरिजन बस्ती के जिम्मेदार प्रधानाध्यापिका स्नेहलता ने कही कि नवीन सत्र में बच्चों के लिए निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें विभाग द्वारा उपलब्ध कराने में अभी विलंब है। लेकिन बच्चे अपनी पुरानी पुस्तकें लेकर ही आए। शिक्षण कार्य बच्चों के

सर्व शिक्षा अभियान को लेकर निकाली जागरूकता रैली

अनुकूल सृजनात्मक परिवेश को बनाने का कार्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक जो कि शिक्षक संकुल भी हैं। स्नेह लता सभी शिक्षकों के सहयोग के साथ उत्साह से कर रही है। पूर्व माध्यमिक विद्यालय सराय बाहर की प्रभारी प्रधानाध्यापिका डोला बनर्जी एकल विद्यालय होने के उपरांत भी बच्चो को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए रात दिन लगी रहती हैं। वहीं प्रधानाध्यापिका स्नेहलता कहा कि शिक्षा वह शेरनी का दूध है जो पिएगा वही दहाड़ेगा। और विद्यालय फूलों का बगीचा है। बच्चे विद्यालय के फूल है। और वहां पर मौजूद शिक्षक रूपी माली जितना अच्छे ढंग से रखवाली करेगा। उतना ही बढ़िया रहेगा। इस मौके पर पूनम वर्मा, प्रतिमा,प्रतिभा विश्वकर्मा, मीना शर्मा, मोना त्रिपाठी,तथा विद्यालय को संचालित कर रहे हैं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष गायत्री देवी,मिशा देवी, दिलीप कुमार रहे।

दावत खाकर घर लौट रहे दो युवकों पर जान लेवा चाकू से हमला, गंभीर

अखंड भारत संदेश

करछना। थाना क्षेत्र के बसही गांव निवासी सोनू यादव पुत्र हरिलाल एवं गोविंद यादव पुत्र नंद लाल यादव निवासी करछना थाना क्षेत्र के बसही गांव के हैं इनके ही परिवार में 4 अप्रैल को तेरहवी का प्रोग्राम था जिसमें उपरोक्त दोनों लोग दावत खाने गए थे दावत खाकर रात 10: बजे अपने घर को लौट रहे थे कि रास्ते में औद्योगिक थाना क्षेत्र मुगारी गांव का एक युवक और एक थाना करछना का दोनों ने मिल कर युवकों पर चाकू से कई वार कर हमला कर दिया जिससे सोनू , वह गोविंद को हाथ और शरीर के कंधे पर चाकूओ से कयी वार कर घायल कर दिया तथा शोर मचाने पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए और एक हमलावर को चाकू समेत पकड़ कर करछना पुलिस के हवाले कर दिया घटना की सूचना लिखित तौर पर नामजद भुक्तभोगी सोनू यादव ने करछना थाने में दी थी जिस पर पुलिस ने पकड़े गए आरोपी को चाकू सहित को लेनदेन करके छोड़ दिया गया और वही पीड़ित की

ग्रामीणों ने एक को चाकू के साथ पकड़कर किया पुलिस के हवाले

तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत नहीं किया गया पीड़ित ने उच्च अधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर गिरफ्तार किए जाने की मांग की है इसके पूर्व भी पीड़ित के भाई पर जानलेवा हमला अभी कुछ दिन पहले किया गया था जिस पर पुलिस आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की थी जिसे पुलिस की कार्रवाई पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है और पीड़ितों ने उच्च अधिकारियों का ध्यान इस ओर केंद्रित करने की मांग की है।

मृतक आश्रित के रूप में योग्यता के आधार पर पद की मांग करना गलत : हाई कोर्ट

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि योग्यता के आधार पर मृतक आश्रित नियमावली के तहत नौकरी की मांग करना सही नहीं है। कोर्ट ने याची की विशेष अपील को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मृतक आश्रित के रूप में नौकरी अधिकार नहीं होता। बल्कि आर्थिक तंगी से तत्काल राहत देने के लिए ऐसे कानून बनाए गए हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी और न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी की खंडपीठ ने इकबाल खान द्वारा एकल जज के निर्णय के खिलाफ दाखिल उनकी विशेष अपील को खारिज करते हुए दिया।याची ने मृतक आश्रित नियमावली के तहत नौकरी की मांग की थी। याची को लैब अटेंडेंट के रूप में नौकरी मिल गई थी। उसने इस पद पर ज्वाइन भी कर लिया। करीब 4 साल बाद उसने याचिका दायर कर मांग की कि उसे मृतक आश्रित के रूप में लैब अटेंडेंट की जगह फार्मासिस्ट के पद पर नौकरी दी जाए, क्योंकि वह इस पद की योग्यता रखता

है। हाईकोर्ट के एकल जज ने याची के इस मांग को अस्वीकार कर दिया। साथ ही कहा कि उसने लैब अटेंडेंट पद पर ज्वाइन कर लिया है। फार्मासिस्ट का पद यूपी अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा भरा जाने वाला पद है। इस कारण याची की योग्यता के आधार पर फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्ति नहीं की जा सकती।एकल जज के इस आदेश को याची ने विशेष अपील दाखिल कर दो जजों के समक्ष चुनौती दी थी। उसके वकील का कहना था कि आश्रित के रूप में नियुक्ति योग्यता के आधार पर किया जाए। भले ही उसने नीचे का पद स्वीकार कर लिया हो। हाईकोर्ट की विशेष अपील बेंच ने याची की इस दलील को अस्वीकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि मृतक आश्रित में नियुक्ति मृतक के परिवार को आर्थिक तंगी से तत्काल राहत देने के लिए बनाया गया है। याची पहले ही नौकरी पा चुका है और लैब अटेंडेंट के पद पर काम कर रहा है। कोर्ट ने कहा कि एकल न्यायाधीश द्वारा पारित आदेश में कोई कानूनी खामी नहीं है। इस कारण याची की विशेष अपील खारिज की जाती है।

प्रत्यक्ष निधि फाउंडेशन ने निशुल्क सेनेटरी पैड व मातृत्व लाभ का किया वितरण

प्रत्यक्ष निधि फाउंडेशन के द्वारा किया गया निशुल्क सेनेटरी पैड का वितरण व मातृत्व का लाभ

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। करछना में प्रत्यक्ष निधि फाउंडेशन के द्वारा निशुल्क सेनेटरी पैड व महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। प्रत्यछ निधी फाउंडेशन की महिला मित्र के द्वारा महिलाओं कोस्वास्थ्य गर्भावस्था सहित तमाम बीमारियों के प्रति जागरूक करते हुए महिलाओं को सेनेटरी पैड का वितरण किया गया। साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। बता दें कि करछना इसौटा गांव में प्रत्यक्ष निधी फाउंडेशन के द्वारा मातृत्व का लाभ व सेनेटरी पैड का वितरण किया गया है। जिससे इसौटा गांव की महिलाओं में खुशी की लहर है। जिसमें संस्था के प्रोग्राम मैनेजर आरके राज,प्रोग्राम ऑफिसर चंद्रमा प्रसाद, जिला इंचार्ज दिलदार अली, जिला कोआर्डिनेटर जाकिर हुसैन, महिला सखी गुंजा वर्मा,ग्राम प्रधान विनोद, लालमणि वर्मा,सुरजन यादव बीडीसी मनीष राणा व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट ड्राइव में शुआट्स के 15 छात्रों को मिली जॉब

अखंड भारत संदेश

नैनी। सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में चार कंपनियों द्वारा आयोजित प्लेसमेन्ट ड्राईव में 15 छात्र-छात्राओं को सफलता प्राप्त हुई।

निदेशक, कैरियर योजना और परामर्श डॉ. देवराज बदुगु ने बताया कि चार कंपनियों ने विश्वविद्यालय कैंपस में अपने ऑन-कैंपस भर्ती अभियान चलाए और प्लेसमेंट के लिए 15 (पंद्रह) छात्रों का चयन किया। ह्यवीएनआर सीडह्ल में बीएससी बागवानी के चार छात्रों और एमएससी वनस्पति विज्ञान के एक परास्नातक छात्र को कार्यकारी पर्यवेक्षक के रूप में जॉब प्राप्त हुई। ह्याआईपीएल बायोलॉजिकल लिमिटेडह्ल में, चार बीएससी कृषि छात्रों और एक एमएससी कीट विज्ञान के छात्र को प्रशिक्षु प्रबंधक के रूप में चुना गया। ह्यजे.ए.पी.एफ.ए. कॉम्फीड इंडिया प्रा. लिमिटेडह्ल ने तीन एमबीए (एग्रीबिजनेस) छात्रों को फीड सेल्स ट्रेनी के रूप में चुना, जबकि ह्याएमवीएम मोटर्स प्रा. लिमिटेडह्ल ने प्रबंधन प्रशिक्षुओं के पद के लिए बी.टेक (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग) और मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन से एक-एक का चयन किया। डॉ

देवराज बदुगु के अनुसार, इस महीने की शुरूआत में 19 (छात्रों) का एक और बैच पहले ही विभिन्न कॉर्पोरेट में चुना जा चुका है। चयनित छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और संकाय सदस्यों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को दिया। डीन, कृषि संकाय प्रो. (डॉ.) गौतम घोष, प्रमुख (कृषि अर्थशास्त्र विभाग) डॉ. आशीष नोएल, प्रो. जेएन मिश्रा (डीन, बिजनेस स्टडीज) ने विश्वविद्यालय की प्लेसमेंट टीम को बधाई दी। कुलपति, मोस्ट रेव्ह प्रो. (डॉ.) राजेंद्र बी लाल ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके सुनहरे भविष्य की कामना की।

शुआट्स वैज्ञानिकों ने दी कृषकों को सलाह

नैनी। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने कृषकों को सलाह दी है कि अगर ट्रॉन्सफरमर और बिजली के तारों के नीचे फसल तैयार है तो उसे पहले काट कर अलग कर लें और उस हिस्से कि जुताई कर के छोड़ दें उससे आग लगने कि संम्भावना कम कि जा सकती है। खलिहान में रखे अनाज की सुरक्षा के लिए ध्यान दें कि खलिहान के ऊपर बिजली का तार न हो और बीड़ी , सिंगरेट , हुक्का का प्रयोग खलिहान में कदापि न करें। सूरजमुखी की फसल में दूसरी सिंचाई के समय मिट्टी चढ़ाने से पौधों के गिरने का डर कम रहता हैं गर्मी में चारे के लिए मक्का , लोबिया व कई कटान वाली चरी की बुवाई अभी भी की जा सकती है। फलों में छेद करने वाले कीट से बचाने के लिए फल तोड़ने के बाद मैलाथियान 0.1 प्रतिशत का छिड़काव करें। छिड़काव के 3-4 दिन बाद तक फल की तुड़ाई न करें। भिण्डी की फसल में फलों की तुड़ाई प्रत्येक तीसरे दिन करें अन्यथा तुड़ाई नियमित न करने पर फल बड़े हो जाते हैं तथा संख्या में कम प्राप्त होते हैं। जौ , चना , मटर व मसूर आदि की कटाई व मड़ाई पूरी कर लें। आम , अमरूद , नींबू , बेर तथा पपीता की सिंचाई करें । मेंथा में 10-12 दिन के अन्तर पर सिंचाई तथा तेल निकालने हेतु प्रथम कटाई करें।

जवान का पार्थिव शरीर आने पर क्षेत्र में गम का माहौल

लेडियारी। प्रयागराज।खीरी थाना क्षेत्र के खूटा निवासी शशिकांत पांडे बीएसएफ में जवान के तौर पर कलकत्ता में तैनात थे।जिनका जीवन खुश हाल रूप में दो बच्ची और एक बच्चे के साथ बीत रहा था। अचानक उनका तैनाती के दौरान ही तबियत बिगड़ गई। इलायज हेतु भर्ती थे।लेकिन तबियत बिगड़ी गई।सोमवार को अंतिम सांस लिए।शव को बीएसएफ के अधिकारियों ने सम्मान के साथ घर भेज दिया।शव पहुंचते ही महिलाओं में रूदन प्रारंभ हो गया।बताते चलें कि खीरी थाना अध्यक्ष बैकुंठ नाथ पांडे नेपहुंच कर सम्मान किया।मृतक जवान अपने पांच भाइयों में दूसरे नंबर पर थे। वही इनके पत्नी का भी देहांत हो चुका है।

पुलिस बल के जवानों ने बारा में किया फ्लैग मार्च

शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए बारा पुलिस ने किया पैदल फ्लैग मार्च

अखंड भारत संदेश

बारा। थाना अध्यक्ष बारा नवरात्र एवं रमजान तथा एम एल सी चुनाव चुनाव के दृष्टि गत शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए थाना प्रभारी कमलेश कुमार के नेतृत्व में आर फ फोर्स पुलिस बल के साथ पैदल भ्रमण फ्लैग मार्च किया, उन्होंन बारा बाजार, चौराहे होते हुए स्थानी दूकान दारो से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में सभी लोग नवरात्र व एम एल सी चुनाव के साथ-साथ रमजान के त्यौहार में शान्ति व्यवस्था बनाये रख्खे, जिसमें क्षेत्र में अमन शान्ति बनीं रहे, पुलिस बल के साथ प्रमुख स्थानो में पांडर रिगवा नीबी चामु रही बैजला होते हुए लोगों से शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए अपील किया ।

बारा में पुलिस बल फ्लैग मार्च करती

वार्षिकोत्सव समारोह मे विधायक ने बच्चों को दी मेहनत कर आगे बढ़ने की सीख

मेजा रोड। मेजा क्षेत्र के तेंदुआ कला स्थित नवराजी देवी सरस्वती विद्यालय में वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित किया गया। जिसमें स्कूली बच्चो ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया. बता दें कि वार्षिकोत्सव समारोह कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक मेजा संदीप पटेल रहे. विद्यालय के प्रबंधक के के सिंह ने मुख्य अतिथि विधायक मेजा का अंगवस्त्र व माल्यार्पण से स्वागत किया. विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती प्रतिमा सिंह ने उपस्थित बच्चों व अभिभावकों का उत्साहवर्धन करते हुए आभार प्रकट किया. विधायक ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम कि सराहना करते हुए बच्चों को मेहनत कर आगे बढ़ने की सीख दी. इसके बाद बच्चों ने तरह तरह के कार्यक्रम प्रस्तुत किया और जमकर नृत्य कर लोगों का मन मोह लिया। बच्चों के गायन पर लोगों ने खूब जमकर वाहवाहियां बटोरी और उनके प्रर्दशन की प्रसंशा किया। इस मौके पर रामसागर यादव मुखिया, फतेहबहादुर सिंह, कमला पटेल, रक्षामंत्री यादव, कमलेश कुशवाहा, सुरेश पटेल, प्रधान जरार मो अरसद, प्रधान खौर अशोक कुमार, सहित सैकड़ों बच्चे व अभिभावक मौजूद रहे.।

7 को प्रयागराज आएंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, होगा भव्य स्वागत

प्रयागराज। प्रदेश के दोबारा उप मुख्यमंत्री बने केशव प्रसाद मौर्य के चुनाव बाद प्रथम प्रयागराज महानगर में आगमन पर उनके भव्य स्वागत की तैयारी है। केशव 7 अप्रैल को संगम नगरी आएंगे। उनके स्वागत के लिए भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में मंगलवार को एक बैठक का आयोजन किया गया।

शहर में दो दर्जन से अधिक स्थानों पर होगा भव्य स्वागत : मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 7 अप्रैल को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या कड़ा धाम माता शीतला का दर्शन करते हुए सिराथू जाएंगे। इसके बाद अपराह्न 3 बजे पूरामुफ्ती पहुंचेंगे, जहां भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं के द्वारा भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद पार्टी द्वारा जगह जगह उनके स्वागत की तैयारी की गई है। केशव प्रसाद मौर्य का गुरुद्वारा ,बेगम बाजार ,पोंगहट पुल, मुंडेरा चुंगी, मुंडेरा सब्जी मंडी ,ट्रांसपोर्ट नगर पहला मोड़, प्रीतम नगर मोड़, महिला ग्राम , चंद्रशेखर आजाद जी की प्रतिमास्थल , दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पार्क, शंकराचार्य महाराज चौराहा, अलोपी बाग मंदिर ,स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती के आश्रम , दारागंज चौराहा, निराला की मूर्ति चौराहा, संकट मोचन हनुमान मंदिर दारागंज, मनकामेश्वर मंदिर एडीसी चौराहा जीवन ज्योति चौराहा बैहराना मेडिकल कॉलेज सुभाष चौराहा अंबेडकर पार्क चौराहा और सर्किट हाउस में पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत व अभिनंदन किया जाएगा बैठक में अवधेश चंद्र गुप्ता, कुंज बिहारी मिश्रा, देवेश सिंह, वरुण केसरवानी, राजेश केसरवानी, विवेक अग्रवाल, राघवेंद्र सिंह, रामलोचन साहू, शोभिता श्रीवास्तव, सचिन जायसवाल, राजेश सोनकर, दिलीप केसरवानी, मनोज मिश्रा, गौरव गुप्ता आदि मौजूद रहे।

संदिग्ध हालात में पंचायत सहायक को गोली मारने वाले अज्ञातों का नहीं चला पता

मऊआइमा। अपने मित्र को उसके घर पहुंचा कर अपने गांव आ रहे पंचायत सहायक को एक बाइक पर तीन सवार बदमाशों ने सोमवार को देर रात गोली मारकर जख्म कर दिया गया। सीएचसी में उपचार के बाद वह घर आ गए। मंगलवार को देर शाम तक अज्ञातों का कोई सुराग नहीं लगा । इंस्पेक्टर मऊआइमा ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर नहीं दी गई है।मामले की जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम हरखपुर निवासी अजय कुमार यादव २० वर्ष पुत्र आशापाल यादव गांव में पंचायत सहायक है। बताया गया है कि सोमवार को देर रात अपने मित्र किशन कुमार को इस्माइलपुर में पहुंचा कर घर आ रहा था।बताते हैं कि जैसे वह गदियानी और सेमराबीरभानपुर मार्ग पर पहुंचा एक बाइक पर तीन सवार अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर जख्मी कर दिए।मौके पर परिजनों एंव थाने की फोर्स पहुंच कर सीएचसी में उपचार करा दिया। बताया गया कि है कि अजय कुमार यादव को मामूली छर्रे लगे थे । मंगलवार को भी अज्ञात बदमाशों का कोई पता नहीं चला। इंस्पेक्टर मऊआइमा सुरेश सिंह ने बताया कि अभी तक कोई तहरीर थाने में नहीं दी गई है। फिर भी मामले की जांच की जा रही है। समाचार लिखे जाने तक घायल अजय कुमार यादव परीक्षा देने कहीं गया था। थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई थी।

शौच के लिए खेत जा रही युवती के साथ अश्लील हरकतें की गई मुकदमा दर्ज.

मऊआइमा। युवती अपनी माता के साथ शौच करने जा रही थी तभी गांव के दो युवकों ने हाथ पकड़ कर अश्लील हरकतें करने लगे। विरोध करने पर युवती और उसकी मां को मारे पीटे और जान से मारने की धमकी दी गई। युवती ने दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मिली जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम छाता निवासनीय एक युवती का आरोप है कि वह अपनी माता के साथ शौच के लिए जा रही थी।तभी गांव के दो युवक आ कर उसका हाथ पकड़ लिया और अश्लील हरकतें करने लगे। विरोध करने पर उसको और उसकी माता को मारे पीटे और जान से मारने की धमकी भी लिए।तथा धमकाए कि यदि कहीं मुंह खोले तो खैर नहीं है। युवती ने मऊआइमा थाने में राज कुमार और विजय कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

प्रतापगढ़ संदेश

चौथे दिन पूजी गई मां कूष्माण्डा देवी

बेल्हा देवी में श्रद्धालुओं की लगी लम्बी कतार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नवरात्र के चतुर्थी पर कूष्मांडा देवी की विधि विधान से पूजा की गई। नगर के बेल्हा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की लम्बी कतार प्रातःकाल से देखने को मिली। दिन में तेज धूप होने से श्रद्धालुओं की भीड़ में कमी रहती है लेकिन शाम होते ही फिर श्रद्धालुओं का रेला बेल्हा देवी मंदिर की तरफ दिखाई देता है।

नवरात्र की पूजा भी लोग कई वर्षों के बाद मंदिर में आरती करने का मौका मिला है, इससे लोगों में उत्साह भी देखा जा रहा है। बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे सुबह और शाम को बेल्हा देवी मंदिर में दर्शन पूजन करने पहुंच रहे हैं। मंदिर के पीछे दुकानें सजी हुई हैं, जहां लोग दर्शन पूजन के बाद महिलाएं व बच्चे अपना सामान खरीदते हैं। सुबह व शाम वहां मेले जैसा दृश्य दिखाई पड़ता है। वैसे लोगों का कहना है कि नवरात्र में इतनी गर्मी इसके पहले

बेल्हा देवी मंदिर में दर्शन पूजन करती महिलाएं।

कभी नहीं देखी गई, फिर भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

सुबह ग्यारह बजे से लेकर चार बजे तक तो मंदिर में भीड़ कम होती है लेकिन प्रातः पांच बजे से लेकर दस बजे तक व शाम को चार बजे से लेकर रात दस बजे तक नगर और देहात के श्रद्धालु बेल्हा देवी में दर्शन पूजन करने आ रहे हैं। श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने के लिये बैरीकेटिंग की गई है, जो क्रमबद्ध होकर मंदिर के अंदर जाते हैं और पूजा अर्चना करते हैं।

नायब नाजिर हत्याकाण्ड मे पुलिस साक्ष्य संकलन की कवायद में

लालगंज, प्रतापगढ़। एसडीएम की पिटाई से हुई नायब नाजिर की मौत को लेकर मंगलवार को भी इलाके मे आरोपी एसडीएम की फरारी चर्चा मे दिखी। वहीं मृतक के बेटे सुधीर शर्मा की तहरीर पर दर्ज हुए हत्या के केस मे पुलिस ने भी साक्ष्य संकलन जुटाने का काम अंदर ही अंदर शुरू कर दिया है। पुलिस मृतक नायब नाजिर सुधीर शर्मा के पीएम रिर्पोट के भी निष्कर्ष को खंगालने मे अंदर ही अंदर माथापच्ची मे है। हालांकि मंगलवार को तहसील मे माहौल सामान्य कामकाज मे दिखा। एसडीएम अरूण कुमार सिंह ने चैंबर मे लोगों की शिकायतों की सुनवाई की। इधर हत्या मे नामजद निलंबित एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह की फरारी को लेकर भी तरह तरह के कयास तहसील परिसर मे लगते दिखे। सूत्रों के मुताबिक कोतवाली पुलिस भी एफआईआर दर्ज करने के बाद मृतक के पुत्र का बयान दर्ज कर केस को आगे बढाने मे जुट गयी है।

सपाईयों ने मनाई राजा निषादराज गुह्य की जयंती

बैठक कर एमएलसी चुनाव पर बनी रणनीति

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। समाजवादी कार्यालय मीरा भवन पर ऋषि मुनियों में श्रेष्ठ महर्षि कश्यप एवं श्रृंगवेरपुर के राजा निषादराज गुह्य जी की जयंती मनाई गई और उनके चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित किया गया। आज ही के दिन मासिक बैठक आहूत की गई।

बैठक में जिला अध्यक्ष छविनाथ यादव ने बताया कि इस नवरात्र के अवसर पर और रमजान के महीने पर हमको एक हो जाना चाहिए और समाजवादी पार्टी से एमएलसी के चुनाव लड़ रहे विजय यादव को विजई बनाना है और संगठन के लोगों से कहा गया कि आप लोग ज्यादा से ज्यादा लोगों से मुलाकात करिए और लोगों से एमएलसी में वोट दिलवाएं।

इस मौके पर जिला महासचिव अब्दुल कादिर, पूर्व विधायक बृजेश सौरभ, नरेंद्र पाल, शान्ति सिंह, समीम खान, प्यारेलाल खैरा, गुलफाम खान ,मनीष पाल, निसार अहमद, बृजेश यादव, रमेश पाठक, राम बचन यादव, शेर बहादुर यादव, राम बहादुर पटेल, नूर अकबर रब्बानी, फिरोज खान, बंसी लाल यादव, आरिफ खान, रामखेलावन यादव, सिराजुल हक लल्लू भाई चेयरमैन कटरा, सुरेश फौजी, साबिर अली, मीडिया प्रभारी वकार अहमद सहित अन्य नेतागण उपस्थित रहे।

सपा कार्यालय पर आयोजित बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष छविनाथ यादव

चारा पानी के अभाव में मरणासन्न हो रहे पशु

गौ संरक्षण केन्द्र पर अव्यवस्था का आलम

अखंड भारत संदेश

कटरा गुलाब सिंह, प्रतापगढ़। सरकार के लाख प्रयास के बाद भी गौशालों में भूख प्यास से तड़प तड़प कर गोवंशों के दम तोड़ने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है और जिम्मेदार लोग संवेदनहीन बने हुए हैं। शिकायतों के बाद भी क्षेत्र में बने गौशालाओ में समुचित देख रेख में जानबूझ कर कोताही की जा रही है।-सम्बन्धित ग्राम प्रधान के इशारे पर गौशाले के मजदूर बीमार व मरणासन्न पशुओं को जिंदा ही आवारा कुत्तों के हवाले कर देते हैं।

स्मरण रहे कि जेठवारा थाना क्षेत्र के सरायभीमसेन बरईपुर में गौसंरक्षण केंद्र पर भूख प्यास से तड़प तड़प के मरने वाले पशुओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थे, लेकिन व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हुआ। सूत्रों की माने तो सरायभीम सेन गौशाला की एक और विभत्स तस्वीर सामने आई है जिसमे दो जिन्दा गायों को गौशाला के संरक्षक व जिम्मेदार लोगों ने गौशाले से करीब 50 मीटर दूर सुनियोजित तरीके से जंगल नुमा चारागाह में बनाये गए बड़े गढ्ढे में फेक दिया गया है जो तड़प तड़प कर मरने के लिए मजबूर दिख रही है। इतना ही नही उक्त गढ्ढे में पूर्व से पड़े जानवरो के अस्थिपंजर भी देखने को मिल रहे है। लोगों की माने तो उक्त गढ्ढे में दिन रात -आवारा कुत्ते जानवरों को जिंदा ही नोच नोच कर खाते रहते है। पशुक्रूरता के लिए जिम्मेदार लोगों के लिए सरकारी आदेश कोई मायने नही रखता। और गौशाले की व्यवस्था के लिए मिलने वाले धन की मनमानी बंदरबांट होती है। यदि गम्भीरता से जांच की जाय तो बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है। इस संदर्भ में पशुचिकित्सालय सरायभीम सेन के डॉक्टर दिवाकर मौर्या ने बताया कि मौजूदा समय मे गौशाला में 75 पशु मौजूद है जिनकी देख रेख के लिए ग्राम पंचायत द्वारा दो श्रमिक रखे गए हैं। पशुओं के रहने के लिए एक टिन शेड बनाया गया है जो काफी नही है। जिसमे ज्यादा से ज्यादा 40 से 50 पशुओं के रहने की जगह है। यहां अभी बाउंड्रीवाल व पानी के टैंक का अभाव था जिसके सन्दर्भ में बीडीओ मान्धाता को अवगत कराने के बाद बाउंड्रीवाल के साथ पानी का टैंक अब बन चुका है जो जल्दी ही संचालित हो जाएगा। जानवरो के खाने के लिए मौके पर भूसा पड़ा है। पानी के लिए फिलहाल वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गयी है।

लालगंज में अधिकारियों का दागदार कैरियर से है पुराना रिश्ता

राजस्व, पुलिस व चिकित्सा विभाग कोई भी नही है अछूता, कोई इश्क में तो कोई दंबगई व दरिंदगी से बटोरी सुर्खियां

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय तहसील में तैनात कई अधिकारियों के कैरियर पर दाग लग चुके है। कोई इश्क के बुखार से चर्चित हुआ तो कोई अपनी दबंग रवैये से तो कोई अपनी दरिंदगी से सुर्खियो में रहकर दागी बन गया।

स्थानीय तहसील में अब तक आधा दर्जन अधिकारियों पर कोई न कोई आरोप लग चुके है।इसी लिए कहते है कि लालगंज में राजस्व ,पुलिस से लेकर स्वास्थ विभाग भी अपने कैरियर पर दाग लगने से नही बचा सका है।अभी हाल ही में नायब नाजिर सुनील शर्मा ने 30 मार्च को एसडीएम पर मारपीट का आरोप लगाया था और इलाज के दौरान 2 अप्रैल को उसकी मौत हो गई।पुत्र की तहरीर पर एसडीएम ज्ञानेंद्र विक्रम व तीन अज्ञात पर हत्या समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।

यही नहीं मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने 5 अप्रैल को निलंबन का निर्देश भी दिया।इससे पूर्व2019 मे तैनात एसडीएम विनीत उपाध्याय भी अपनी दंबगई के चलते हमेशा सुर्खियों में रहे।उन्होंने 8 नवंबर को अधिवक्ता अजय शुक्ल से एक जमीनी प्रकरण में हुए नोक झोंक में अपने आवेश को खो बैठे और अधिवक्ता पर होम गार्ड की रायफल को लेकर उनके ऊपर तान दी थी। अधिवक्ताओं के विरोध के चलते उन्हें तत्काल जिला मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया था।उसके बाद डीएम आवास पर धरना देने के मामले मे अनुशासन हीनता को देखते हुए उन्हे सितंबर में निलंबित कर दिया गया था। उसके बाद लालगंज में तैनात नायब तहसीलदार आकाक्षा पर भी शाहजहापुर के गुरुविंदर सिहं के प्रेम प्रसंग का मामला भी सामने आया जिसमे नायब की तहरीर पर मामले में 18 दिसंबर 2020 को उसके खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर जेल भेज दिया। स्थानीय कोतवाल रहे रणजीत सिहं भदौरिया भी रशिक मिजाज के थे।

उन्होंने अगस्त-2021 मे ग्रुप में अश्लील वीडीओ भेज कर जिले भर में चर्चित हो गए थे। कप्तान ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उन पर 21 अगस्त को लाइन हाजिर की कार्रवाई की थी। लालगंज से रानीगंज गए तहसीलदार पद्मेश श्रीवास्तव भी 2019 में विजनौर की रहने वाली एक महिला सिपाही रूचि सिहं से प्यार कर बैठे।यह प्यार का सिलसिला फरवरी 2022 में मौत में बदल गया। तहसीलदार ने उससे शादी का झांसा देकर उसके पति से तालाक करवा दिया था।

जब खुद से शादी की बात आई तो 13 फरवरी 2022 को पत्नी प्रगति व दोस्त नामवर के साथ मिलकर लखनऊ में रूचि की हत्या कर शव को नाले में फेंक दिया था। 21 फरकरी को पुलिस ने तहसीलदार को पत्नी के साथ दोस्त को हत्या के मामले समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया। स्थानीय सीएचसी मे 2008 में तैनात अधीक्षक लाला राम की 2009 में अस्पताल स्थित आवास पर संदिग्ध दशा में पंखे से लटकता मिला था शव।जो आज तक उनकी मौत का कारण एक रहस्य बना हुआ है। लालगंज के अधिकारियों की दागदार कहानी यहीं खत्म नही होती है। लगभग पन्द्रह वर्ष पूर्व रहे पुलिस उपाधिक्षक देवराज भी प्यार के चक्कर मे फंस कर जेल गए और नैनी जेल में ही उनकी मौत हो गई थी। उन पर भी एक महिला ने यौन शोषण का केस दर्ज कराया था।

आगजनी मे प्रभावित किसानों को विधायक मोना की ओर से हुई मदद

किसानों के चेहरे पर नजर आई राहत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। आगजनी मे फसल की भारी क्षति को लेकर क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना ने मंगलवार को निजी तौर पर मदद की पहल की। सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी एवं क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के निर्देश पर प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी मंगलवार को सराय लालमती गांव पहुंचे और गेहूं की फसल जलकर राख होने से प्रभावित गांव के श्याम नारायण, माताफेर, सुषमा, शांती, सुरेश प्रजापति, महेश प्रजापति, पारसनाथ, रामकली, कलावती, उमाकांत, राकेश पटेल समेत सत्रह किसानों को विधायक मोना की ओर से दो-दो हजार रुपए की आर्थिक सहायता नकद प्रदान की।

ग्राम प्रधान गौरीशंकर पटेल की मौजूदगी मे विधायक प्रतिनिधि ने प्रभावित किसानों को मण्डी परिषद से भी शीघ्र ही किसानी के आकस्मिक क्षति को लेकर शासकीय सहायता दिलाये जाने का भी भरोसा दिलाया। विधायक मोना की ओर से त्वरित सहायता प्राप्त करने वाले किसानों के चेहरे पर राहत भी नजर आयी। वहीं उन्होनें पडोस के प्रतापरूद्रपुर गांव मे भी चालीस प्रभावित किसानों को बुधवार को विधायक की ओर से आर्थिक पैकेज दिये जाने का ऐलान किया। इस दौरान पूर्व प्रमुख भुवनेश्वर शुक्ल व राकेश चतुर्वेदी भी मौजूद रहे। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि शार्टसर्किट के कारण उन्हें फसल नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ा। ग्रामीणों के मुताबिक पिछले साल भी फसल कट जाने के बाद शार्टसर्किट से गांव के खेतों मे आग लगी थी। वहीं राजस्व निरीक्षक केडी पाण्डेय ने भी सराय लालमती व मोठिन तथा प्रतापरूद्रपुर गांव मे हुई गेहूं के फसल के नुकसान के बाबत देर शाम प्रशासन को रिर्पोट सौंपी है।

गुड़ खाकर यात्रियों ने घड़े के जल से तर किया गला

बीबीएफजी ने स्टेशन परिसर में लगाया निशुल्क प्याऊ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। गत वर्ष की तरह इस बार भी रेलवे स्टेशन परिसर में गर्मी में मुसाफिरों की सुविधा के लिए बच्चा बैक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी की तरफ से निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था की गई। जिसका उद्घाटन स्टेशन अधीक्षक शमीम अहमद, रोटरी क्लब प्रतापगढ़ सेंट्रल के उपाध्यक्ष अश्वनी केसरवानी और सीपी मिश्रा इंस्पेक्टर ने मंगलवार को फीता काट कर किया।

इस अवसर पर सैकड़ों यात्रियों ने गुड़ खाकर घड़े के शीतल जल से गला तर किया। एसएस ने कहा कि करोना काल में भी स्पेशल ट्रेनों से आने श्रमिको और उनके बच्चों का ख्याल रखा। सैकड़ों लोगों को खाने पीने, जूते चप्पल दूध इत्यादि की व्यवस्था स्टाल के माध्यम से की। रोटेरियन अश्वनी केसरवानी ने कहा कि प्याऊ से गर्मी में यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। संचालन भरत यादव ने किया। कार्यक्रम में सहायक उपनिरीक्षक राजेश सिंह, नदीम जाफरी, वीके तिवारी, एमके कश्यप, नवाब अली, चंद्र मणि तिवारी समेत कई सहयोगी मौजूद रहे।

निशुल्क प्याऊ का फीता काटकर उद्घाटन करते बीबीएफजी पदाधिकारी।

ब्लाक मुख्यालय गेट पर लगा बोर्ड में पूर्व अधिकारियों का नाम

जिम्मेदार अधिकारी नहीं ले रहे सुधि

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जनपद के ब्लाक कालाकांकर के मुख्य गेट पर लगा मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के बोर्ड पर अभी भी पूर्व जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही के साथ मुख्य विकास अधिकारी डॉ अमित पाल शर्मा का नाम लिखा हुआ हैं। जब कि बोर्ड में लिखे उच्च अधिकारियों का जनपद से स्थानांतरण हो चुका है फिर भी अधिकारियों का नाम अभी तक लिखा हुआ है जब कि नवागत अधिकारियों का नाम बोर्ड पर लिखाने की ब्लाक के जिम्मेदार अधिकारी मुनासिब नही समझ रहे है।

मजे की बात यह है कि हाल में सम्पन हुए विधान सभा चुनाव में जनपद के जिलाधिकारी व मुख्यविकास अधिकारी का बराबर आना जाना लगा रहा लेकिन ब्लाक मुख्यालय के मुख्य गेट के बगल लगे मुख्य मंत्री आवास योजना-ग्रामीण लोहे के बड़े बोर्ड पर उनकी नजर नही पड़ी जिसमे पूर्व अधिकारियों के चले जाने के बाद उनका नाम अभी तक लिखा हुआ है। जब कि गांव में विकास की योजनाओं का दौर ब्लाक मुख्यालय से शुरू होता है। इससे साफ जाहिर होता है ब्लाक मुख्यालय में बैठे जिम्मेदार अधिकारी अपने कार्य के प्रति कितने सजग है। जब कि दो पंचवर्षीय लगातार मुख्यमंत्री बने योगीआदित्यनाथ सिंह के गरीबों के प्रति किये कार्यो का बोर्ड ब्लाक मुख्यालय में कही नही लगाया गया है जिससे ब्लाक में आने जाने वाले ग्राम प्रधानों बीडीसी व जिला पंचायत सदस्यों की नजर पड़े। ब्लाक मुख्यालय में कई वर्षों से लगा मुख्यमंत्री आवास योजना बोर्ड केवल शो पीस के रूप में दिखाई दे रहा है, जिसका कोई मतलब नही रह गया है। बोर्ड में लिखी जानकारी का कोई मतलब नही रह गया है।

ब्लाक मुख्यालय कालाकांकर के मुख्य गेट पर लगा बोर्ड पर पूर्व अधिकारियों का नाम।

संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव मे अध्यक्ष समेत आठ प्रत्याशियों ने किया नामांकन

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। तहसील मे संयुक्त अधिवक्ता संघ के चुनाव को लेकर मंगलवार को प्रत्याशियों के नाम निर्देशन दाखिल करने को लेकर वकीलों मे भारी उत्साह देखा गया। पूरे दिन परिसर मे नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशियों का समर्थको के साथ अधिवक्ता एकता जिन्दाबाद के नारों से चुनावी सरगर्मी जोर पकड़ती दिखी।

मंगलवार को अध्यक्ष समेत विभिन्न पदो पर आठ प्रत्याशियो ने अपने नामांकन दाखिल किये। फूल व मालाओ से लदे प्रत्याशी समर्थको के साथ चुनाव समिति के कार्यालय पहुंचते देखे गये। अध्यक्ष पद पर मंगलवार को पूर्व अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश तथा पूर्व अध्यक्ष कालिका प्रसाद पाण्डेय ने अपना नामांकन दाखिल किया।

वहीं उपाध्यक्ष पद पर अखिलेश श्रीवास्तव व विजय कुमार तिवारी तथा महामंत्री पद पर धीरेन्द्र शुक्ल एवं हरिश्चंद्र पाण्डेय तथा कोषाध्यक्ष पद पर

चुनाव को लेकर वकीलों मे दिखा उत्साह, जोडतोड मे जुटे प्रत्याशी

पंकज कुमार तिवारी व सदस्य कार्यकारिणी पद पर वकील अहमद ने नामांकन दाखिल किये। मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि आज बुधवार को नामांकन के अंतिम दिन प्रत्याशियो द्वारा दिन मे तीन बजे तक नाम निर्देशन पत्र दाखिल किया जा सकेगा।

नामांकन प्रक्रिया मे समिति के अध्यक्ष रामलगन यादव व संरक्षक कमलेश तिवारी तथा बाबूलाल वर्मा, प्रमोद सिंह, रमेश पाण्डेय, शारदाबक्श सिंह, रामकुमार पाण्डेय, राजेन्द्र विश्वकर्मा, राजेश तिवारी, रोशन लाल सरोज, इरफान अली, धीरेन्द्र मिश्र, जयप्रकाश शुक्ल, को मशक्कत करते देखा गया। चुनाव को लेकर देर शाम तक तहसील व दीवानी परिसर मे प्रत्याशियों व समर्थकों के बीच चुनावी गणित को भी साधने की होड देखी गयी।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत

पति व साली घायल, घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज-लखनऊ नेशनल हाइवे पर नवाबगज थाना के निकट नवाबगज परियावां चैराहे के पास बाइक से कड़ा धाम से दर्शन कर वापस लौट रहे पति पत्नी साली को सामने से आ रही ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दिया जिससे बाइक पर सवार चार लोग घायल हो गए । सूचना पर पहुची नवाबगंज पुलिस चारों को उपचार के लिए सीएचसी कालाकांकर ले गयी जहाँ महिला को मृत घोषित कर दिया और लड़की को रिफर कर दिया।

घटना के बारे में बताया जाता है कि रायबरेली जनपद के भगवतपुर चंदनिहा गांव निवासी सतेंद्र विश्कर्मा पुत्र राधेलाल मंगलवार की सुबह अपनी बाइक (यूपी 72 बीएन 9218) से अपनी पत्नी रेखा विश्कर्मा व साली प्राती विश्कर्मा व किरन विश्कर्मा पुत्री ननकू के साथ कड़ा धाम कौशाम्बी से दर्शन करके वापस लौट रहे थे कि लगभग साढ़े दस बजे सतेंद्र अपनी बाइक को नवाबगंज चैराहे के निकट बाए तरफ खड़ी कर रहा था कि अचानक सामने ऊँचाहार की तरफ से उल्टी दिशा की तरफ आती हुई ट्रक (एन एल ओ 1 एन 6035) ने टक्कर मार दिया, जिससे बाइक सवार चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों घायलों को उपचार के लिए सीएचसी कालाकांकर भेजा, जहॉ चिकित्सा प्रभारी डॉ मनोज कुमार वर्मा के चिकित्सकों की टीम ने रेखा विश्कर्मा को मृत घोषित कर दिया और साली प्राती विश्कर्मा पुत्री ननकू (21) वर्षीय को रिफर कर दिया। सतेंद्र व साली किरन विश्कर्मा पुत्री ननकू को उपचार करके छुट्टी दे दी। उधर सड़क हादसे में हुई रेखा की मौत की खबर मिलते ही रेखा के मायके व ससुराल मे कोहराम मच गया। पुलिस ने मृतक रेखा के शव को कब्जे में लेकर लिखा पढ़ी करके पीएम को भेजा। मृतक रेखा के मायके व ससुराल पक्ष के लोग मौके पर पहुंच गए। ट्रक ड्राइवर ने अपनी ट्रक को थाने के पास खड़ी करके गायब हो गया।

अल्लाह की तरफ हो तवज्जो तो दुआएं होती है कुबूल : मौलाना मुख्तार

तौबा, जन्नत की तलब तथा जहन्नुम से पनाह मांगना चाहिये

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रमजानुल मुबारक में अल्लाह तआला बंदों की तरफ खास मुतवज्जह रहता है। इस महीने में दुआएं कुबूल होती हैं। बंदों को चाहिये कि दुआ मांगते वक्त पूरी तवज्जो खालिस अल्लाह की तरफ रखें, ऐसी हालत में दुआएं जल्दी कुबूल होती हैं।

यह बातें पल्टन बाजार स्थित मदरसा दारुल उलूम गुलशने मदीना के प्रधानाचार्य जनाब मौलाना मुख्तार अहमद हबीबी साहब ने रमजान के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि रमजान का यह महीना बड़ी फजीलत यानी महत्ता वाला है। इसकी अनेक खूबियां अनवारे-इलाही की बारिशें होती रहती हैं। उनको हासिल करने के लिये बस जरुरत होती है तो नेक आमाल, सच्ची नीयत और पूरी तवज्जो यानि ध्यान अल्लाह की ओर करने की। इस महीने में बंदों को सब्र करते हुए बुराईयों से बचते हुए ज्यादा से ज्यादा इबादत करना चाहिये। रमजान के दिन रात गर्ज की हर मुमकिन हद तक बंदों को जिक्र करना चाहिये। इस महीने में तौबा करना, जन्नत की तलब करना तथा जहन्नुम से पनाह मांगना चाहिये। उन्होंने कहा कि हदीसों में जिक्र करने की बड़ी फजीलतें आयी हैं। तिलावते कुरआन, नमाजों की पाबंदी वगैरह करने पर रोजे के फायदे हासिल हो सकते हैं। रमजान के हर दिन व रात में दुआएं कुबूल होने की फजीलत आयी है। बंदों को दिल लगाकर खालिस ध्यान से दुआएं मांगनी चाहिये। ऐसा करने पर दुआएं जल्द कुबूल होती हैं। इंसान को चाहिये कि सच्ची नीयत से तौबा करके नेक अमल करे और दुआएं मांगे। दुआ मांगते वक्त दुनिया की तमाम फिक्र से अलग हो जाना चाहिये। जब दुनिया के रुझान से हटकर इबादतें व दुआएं की जाएंगी तो जल्दी कुबूल होंगी।

मौलाना मुख्तार अहमद हबीबी।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन ठगी की शिकार महिला को 5 महीने बाद मिली रकम

कौशाम्बी। ऑनलाइन ठगी की शिकार हुई एक महिला को पुलिस की मेहनत के बाद 5 महीने बाद उसकी रकम मिल गई है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 04 नवम्बर 2021 को आरती देवी की माँ सुरसति देवी निवासी सिराथू थाना सैनी के खाते से अज्ञात व्यक्ति द्वारा खाते की गोपनीय जानकारी प्राप्त कर ऑनलाइन 20 हजार रुपये निकाल लिया गया था जिस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष प्रार्थना पत्र दिया गया था पीड़ित महिला के शिकायती प्रार्थना पत्र पर पुलिस अधीक्षक ने साइबर सेल को कार्यवाही हेतु आदेशित किया। जिसके क्रम में साइबर सेल द्वारा कुशलता एवं सक्रियता से कार्य करते हुये पत्राचार के माध्यम से 23 मार्च 2022 को पीडिता उपरोक्त के खाते में सम्पूर्ण धनराशि वापस करा दिया है।

खेत से लौट रहे युवक को पिकअप ने रौंदा मौत

विरोध में आक्रोशित ग्रामीणों ने किया चक्का जाम पिकअप चालक को पकड़कर ग्रामीणों ने की बलपूर्वक पिटाई

चक्का जाम करते ग्रामीण

रोते बिलखते परिजन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पुनवार गांव के पास एक युवक को तेज रफ्तार पिकअप चालक ने रौंद दिया है जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई है युवक की मौत से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया है मामले की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर स्थानीय पुलिस पहुंची है और आक्रोशित ग्रामीणों को समझा-बुझाकर सड़क का जाम खत्म कराया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है 3 घंटे से अधिक समय तक आक्रोशित ग्रामीणों का हाई वोल्टेज ड्रामा सड़क पर चल रहा था।

घटनाक्रम के मुताबिक पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पुनवार ग्राम निवासी रामू कोरी उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र जगतपाल मंगलवार की सुबह साइकिल से खेत से वापस घर लौट रहे थे इसी बीच मंझनपुर की ओर से पश्चिम शरीरा की ओर जा रही तेज रफ्तार पिकअप चालक ने पुनवार चौराहे से कुछ दूरी पर साइकिल सवार रामू कोरी को रौंद दिया है हादसे में मौके पर रामू की मौत हो गई है हादसा देख कर ग्रामीण आक्रोशित हो उठे और पश्चिम सरीरा मंझनपुर मार्ग पर शव रखकर चक्का जाम कर दिया ग्रामीणों ने पिकअप चालक को वाहन समेत पकड़ लिया और जमकर उसकी पिटाई कर दी मामले की जानकारी पीआरबी पुलिस को मिली उसने ग्रामीणों की भीड़ से चालक को बाहर निकाल कर अपने वाहन में बैठा लिया लेकिन फिर भी आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस वाहन से चालक को खींच कर फिर पिटाई शुरू कर दी काफी देर तक पश्चिम सरीरा मंझनपुर मार्ग में आवागमन बाधित रहा मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को मिली मौके पर कोतवाल पहुँचे और पिकअप चालक को अपने हिरासत में लिया आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर पश्चिम शरीरा कोतवाल ने जाम खत्म कराया और मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

न्यूज झरोखा

लगातार पन्द्रह वर्षो से निर्विरोध निर्वाचित चुने गये शिक्षक संघ के अध्यक्ष रत्नेश

शिक्षकों में खुशी बाटी गई मिठाई व मनाया जश्न उच्च प्राथमिक विद्यालय काशिया स्कूल में रखा गया था चुनाव कार्यक्रम

भरवारी कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी के मूरतगंज खंड शिक्षा केन्द्र में पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष का चुनाव होना था चुनाव अपने समयानुसार मंगलवार को सुबह दस बजे से चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी तभी इसी बीच निवर्तमान अध्यक्ष रत्नेश कुमार सिंह यादव भी मौजूद हुए इसी बीच शिक्षकों ने नारे बाजी शुरू करते हुए रत्नेश तुम संघर्ष करो व जिंदा बाद के नारे लगाते हुए उनको निर्विरोध चुन लिया। इस बीच सभी शिक्षकों ने फूल माला उन्हें पहनकर स्वागत किया गया व निर्विरोध अध्यक्ष चुनते हुए उनकी टीम का भी चयन किया गया जिसमें महा मंत्री कैलाश कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील सिंह कोषाध्यक्ष राम आसरे को भी चुना गया इस मौके पर अध्यक्ष के साथी व उनके कदम से कदम मिलाकर चलने वाले एक जिश्म दो जान कहे जाने वाले प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अशोक द्विवेदी को भी सभी शिक्षकों ने फूल माला से लादकर उनका भी स्वागत किया गया। इस मौके पर उपस्थित शिक्षकों में रविन्द्र कुमार मिश्रा आलोक कुमार द्विवेदी अशोक द्विवेदी महफूज अहमद रविन्द्र सिंह किरण सिंह पूजा श्रीवास्तव नीतू सक्सेना सरिता चौधरी राघवेंद्र मिश्रा राकेश कुमार आदि सैकड़ो टीचर मौजूद थे सभी टीचरों का स्वागत रविन्द्र कुमार मिश्रा व आलोक कुमार द्विवेदी ने किया।

सहरी खाने में है बरकत : शहर काजी

कौशाम्बी! शहर काजी हजरत मुफ्ती खुशनूद आलम एहसानी ने बताया कि हदीस की सबसे प्रसिद्ध किताब बुखारी शरीफ भाग नम्बर 1 हदीस नम्बर 1923 पृष्ठ संख्या 633 पर है कि पैगम्बर ए इस्लाम रसूलुल्लाह सलल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फरमाया(कहा) की सहरी खाओ की सहरी खाने में बरकत है हदीस की एक और किताब तबरानी शरीफ की हदीस में है कि अल्लाह और उसके फरिश्ते सहरी खाने वाले पर दरूद भेजते हैं । शहर काजी ने बताया कि हदीस की एक और बहुत प्रसिद्ध किताब तिरमीजी शरीफ की हदीस में है कि हुजूर सलल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम फरमाते हैं कि अल्लाह ने फरमाया की मेरे बंदों में मुझे ज्यादा प्यारा वो है जो इफ्तार में (वक्त हो जाने के बाद)जल्दी करता है और कहा इफ्तार में जल्दी करना और सहरी में देर करने वालों को अल्लाह पसन्द करता है ! सहरी खाना और उसमें देर करना सुन्नत है मगर इतनी देर करना मकरूह(मना) है कि सुबह सादिक प्रारंभ हो जाने का शक हो जाए। इसी तरह इफ्तार में जल्दी करना सुन्नत है मगर इफ्तार उस वक्त करें जब सूरज डूब जाने का यकीन हो जाये। शहर काजी ने आगे चर्चा करते हुए बताया कि पैगम्बर ए इस्लाम ने कहा है कि सहरी कुल की कुल बरकत है उसे न छोड़ना ,अगर कुछ न हो तो एक घूंट पानी ही पी लो क्योंकि सहरी खाने वालों पर अल्लाह और उसके फरिश्ते दरूद भेजते हैं । एक सहाबी (मोहम्मद साहब के अनुयायी) कहते हैं कि मैं एक बार हजरत मोहम्मद साहब के पास आया और मैने देखा कि हुजूर सहरी खा रहे हैं , जब मैं हुजूर के पास गया तो मुझसे कहने लगे कि ,ए मेरे सहाबी(मानने वाले)सहरी में बरकत है अगर अल्लाह ने तुम्हे दी हो तो इसे न छोड़ना। शहर काजी ने कहा कि इस तरह की बहुत सी हदीसें हैं जिनसे ये पता चलता है कि सहरी खाने में बरकत ही बरकत है इस लिए सहरी जरूर खाएं और रमजान में ज्यादा से ज्यादा अल्लाह पाक की इबादत करें और अपने गुनाहों की माफी मांगे की अल्लाह रमजान के सदके करम फरमाएगा।

ओवरलोड बालू लदे चार ट्रैक्टरों को यातायात पुलिस ने पकड़ा

बालू के अवैध परिवहन में लगे चालक बीते कुछ महीने से मुख्य सड़कों के बजाय अब ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का कर रहे है इस्तेमाल

अखंड भारत संदेश

सीज किये गए ओवरलोड बालू वाहन

कौशांबी। बालू के अवैध परिवहन में लगे चार ट्रैक्टर ट्राली को यातायात पुलिस ने पकड़कर करारी थाने के सुपुर्द कर दिया है बताया जाता है कि लंबे समय से बालू के अवैध परिवहन में तमाम ट्रैक्टर ट्रालियां लगी हुई है और बालू के अवैध परिवहन में लगे चालक बीते कुछ महीने से मुख्य सड़कों के बजाय अब ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों का इस्तेमाल कर रहे हैं जिससे वह पुलिस की जांच से बच जाते हैं। पकड़े गए चारो ट्रैक्टर ट्रालियों में ओवरलोड बालू लदे हैं यातायात उपनिरीक्षक धीरज जायसवाल ने बताया कि पश्चिम शरीरा से अषाढा होते हुए ट्रैक्टर ट्रालियां करारी चौराहे की ओर ओवरलोड बालू लाद कर ट्रैक्टर जा रहे थे जिन्हें रोककर उनके कागजात चेक किए गए हैं ओवरलोड बालू लदे ट्रैक्टर के कागजात सही नहीं मिले हैं गलत कागजातों के सहारे बालू के अवैध परिवहन में लगे चार ट्रैक्टर ट्रालियों के विरुद्ध समुचित धाराओं में लिखा पढ़ी करने के बाद चारो ट्रैक्टर को करारी थाने को सुपुर्द कर दिया गया है।

7 अप्रैल से 9 अप्रैल तक बंद रहेंगी शराब की दुकानें

विधान परिषद चुनाव को लेकर शराब के शौकीनों को एक झटका

कौशाम्बी। विधान परिषद द्विवार्षिक निर्वाचन-2022 के अन्तर्गत होने वाले मतदान 09 अप्रैल 2022 के दौरान लोक शान्ति बनाये रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट लाइसेंस प्राधिकारी ने उत्तर प्रदेश आबकारी अधिनियम-1910 की धारा-59 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आदेशित किया है कि जनपद कौशाम्बी में 07 अप्रैल 2022 को सायं 04 बजे से लेकर 09 अप्रैल 2022 को सायं 04 बजे मतदान समाप्ति तक जनपद की समस्त फुटकर एवं थोक आबकारी अनुज्ञापन बन्द रहेंगी इस अवधि में मादक वस्तुओं के उपभोग को नियन्त्रित करने के लिए उसके कब्जे में रखे जाने की सीमा का प्राविधान भी लागू रहेगा इस बन्दी के दौरान अनुज्ञापियो को कोई प्रतिफल देय नहीं होगा।

समूह और आंगनवाड़ी की सांठगांठ से योजना से वंचित हो रहे मासूम

अखंड भारत संदेश

आंगनवाड़ी केंद्रों के छोटे-छोटे बच्चे और महिलाओं को योजना का लाभ न मिलने से आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चे महिलाएं कैसे कुपोषण से दूर होंगे

कौशांबी। आंगनवाड़ी केंद्रों में संचालित योजनाओं के संचालन का जिम्मा योगी सरकार ने समूह को दे दिया है और समूह के जिम्मेदारों ने आंगनवाड़ी कार्यकताओं से सांठगांठ कर ली है इससे सरकार की योजनाएं आंगनवाड़ी केंद्र के छोटे-छोटे बच्चे और महिलाओं तक नहीं पहुंच पाती हैं संस्था और आंगनवाड़ी के साठगांठ के चलते योजना में आने वाले सामानों की खुलेआम कालाबाजारी हो रही है केवल अभिलेखों में योजनाओं का संचालन दिखा कर योगी सरकार को रिपोर्ट भेजी जा रही है पूरे जिले में आंगनवाड़ी केंद्रों की दुर्दशा का आलम यह है कि लाभार्थियों को सामान नहीं मिल रहा है आए दिन शिकायतें हो रही हैं लेकिन आला अधिकारी कान में तेल डालकर गहरी नींद में सो रहे हैं ताजा मामला नेवादा विकासखंड के बरियावा ग्राम पंचायत स्थिति आंगनवाड़ी केंद्र का है जहां कई महीने से योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को नहीं मिल सका है ग्रामीणों का आरोप है कि समूह के जिम्मेदारों से आंगनवाड़ी कार्यकत्री की सांठगांठ हो गई है जिससे योजना का सामान कालाबाजारी हो रहा है आंगनवाड़ी केंद्रों के छोटे-छोटे बच्चे और महिलाओं को योजना का लाभ न मिलने से आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चे महिलाएं कैसे कुपोषण से दूर होंगे सरकार की कुपोषण दूर करने की योजना कैसे सफल होगी यह तमाम सवाल आंगनवाड़ी केंद्र के अव्यवस्था पर खड़े हो रहे हैं लेकिन लंबे समय से समूह और आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की सांठगांठ के चलते चौपट हो चुकी आंगनवाड़ी केंद्र की योजनाओं में सुधार करने की पहल कर विभागीय अधिकारियों ने अभी तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं की है जिससे उनकी मंशा सवालों के घेरे में है।

डीपीआरओ ने माना प्रधान ने किया लाखों का घोटाला

सरकारी खरीद केंद्रों में अपनी उपज नहीं बेच पाते है हजारों किसान

2 वर्षों से ऑनलाइन कंप्यूटर में खतौनी दर्ज करने का ड्रामा कर रहे हैं अधिकारी

कौशाम्बी। किसानों के खेत की चकबंदी कराए जाने के नाम पर उनके खेतों के आंकड़े ऑनलाइन कंप्यूटर में लॉक कर दिए गए हैं जहां-जहां चकबंदी का कार्य चल रहा है या जहां भी चकबंदी का कार्य तो पूर्ण हो गया है लेकिन अभी किसानों की खतौनी ऑनलाइन फीडिंग नहीं हो सकी है उन गांव क्षेत्र के किसानों को अपनी उपज को सरकारी खरीद केंद्र धान और गेहूं की बिक्री करने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है। कौशांबी जिले के मंझनपुर तहसील क्षेत्र के चक नारा सेवकूपुर सहित तमाम गांव के हजारों किसान बीते 2 वर्षों से सरकारी धान गेहूं खरीद केंद्र में अपनी उपज नहीं बेच पाते हैं ऑनलाइन खतौनी लॉक है जिससे किसानों की उपज की ऑनलाइन फीडिंग नहीं हो पाती है तहसील प्रशासन भी किसानों की खतौनी को ऑनलाइन कंप्यूटर में नहीं दर्ज करा पा रहा है बीते कई वर्षों से अधिकारियों के ड्रामे का खामियाजा हजारों किसान भुगत रहे हैं सेवकू पुर गांव के किसानों ने बताया कि लेखपाल को खतौनी दर्ज करने की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन लेखपाल किसानों की खतौनी नहीं दर्ज कर सका है और वह भाग गया है जिससे बीते दिनों धान की उपज भी किसान सरकारी केंद्र पर नहीं बेच सके अधिकारियों की चौखट पर किसान गिड़गिड़ाते रहे लेकिन अधिकारी नहीं पसीजे मजबूर किसानों को बिचौलियों के हाथ ओने पौने दाम में धान की उपज बेचनी पड़ी है बताया जाता है कि 600 रुपये प्रति कुंटल तक कम कीमत पर धान की उपज बेचकर किसानों ने गेहूं की फसल खेतों में बोई है लेकिन अब गेहूं की फसल भी सरकारी खरीद केंद्र में लेने को केंद्र प्रभारी तैयार नहीं है ऑनलाइन किसानों की खतौनी नहीं दर्ज हो सकी है जिला विपणन अधिकारी भी अपने को विवश बता रहे हैं बीते फसल के सीजन की तरह इस बार भी किसान केवल अपनी पीड़ा बयां करते रह जाएंगे योगी सरकार में किसानों की दुर्दशा करने वाले अधिकारियों के कारनामों को क्या योगी सरकार संज्ञान लेगी या फिर किसान अपनी उपज को सरकारी खरीद केंद्र में नहीं बेच पाएंगे और कार्यवाही जांच के नाम पर खरीद केंद्र का समय व्यतीत हो जाएगा यह योगी सरकार और उनके अधिकारियों के कार्यों पर बड़ा सवाल है।

तेज लपटों के साथ जल गई गेहूं की फसल

अग्नि कांड के समय मौके पर क्यों नहीं पहुंच पाता है अग्निशमन दल बड़ा सवाल

अखंड भारत संदेश

खेत में लगी आग को दिखाते किसान

ओसा कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के नगर पालिका मंझनपुर अंतर्गत ओसा के रोशन लाल भगत के गेहूं के खेत में मंगलवार की दोपहर अचानक आग लग गयी जिससे किसान का एक बीघा गेहूं जलकर खाक हो गया कड़ी मेहनत के बाद ग्रामीणों ने खेत पर लगी आग को काबू पाया तब तक रोशन लाल भगत के खेत में गेहूं के बोझ जलकर खाक हो गए लेकिन अन्य खेतो में आग फैलने से ग्रामीणों ने रोक लिया है जिससे अन्य किसानों के खेत जलने से बच गए हैं जिससे अन्य किसानों ने राहत की सांस ली है। मंझनपुर तहसील अंतर्गत ओसा गांव में मंगलवार की दोपहर को अचानक गेहूं के खेत में आग लग गई गेहूं का खेत तेज लपटों के साथ जलने लगा मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद आग को दूसरे खेत में जाने से बचा दिया हालांकि इस अग्निकांड की घटना में एक किसान रोशन लाल भगत का एक बीघा गेहूं जलकर खाक हो गया आग लगने का कारण बगल में ही महुआ की बाग में पत्तो में आग लगाई गई थी और पत्तो की आग पूरी तरह से बुझी नहीं थी जिससे धीरे-धीरे आग भड़की और बगल के खेत में पकड़ लिया गनीमत यह रही कि रोशन लाल भगत का खेत 2 दिन पहले ही गेहूं काटा था और गेहूं हटाया नहीं गया था जिससे पहुंचे ग्रामीणों ने गेहूं को आग से दूर किया जिससे दूसरे खेतों में आग लगने से बचाव हो गया बगल में मोहनलाल भगत का खेत था उसमें भी आग पकड़ लिया था लेकिन भारी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने आग को पानी डालकर डंडे से पीट कर बुझा लिया हालांकि दमकल को सूचना फोन द्वारा दिया गया था लेकिन आग बुझने के बाद भी दमकल अग्निकांड के घटनास्थल पर नहीं पहुंचा है।

फिर कार्यवाही शून्य

भ्रष्टाचार में लिप्त प्रधान पर आखिर क्यों मेहरबान हैं विभागीय अधिकारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। विकास खण्ड मंझनपुर के ग्राम पंचायत तियरा जमालपुर के ग्राम प्रधान के भ्रष्टाचार तथा लाखों के घोटाले की चर्चे लगातार सोशल मीडिया पर वायरल हो रहें हैं जिसको संज्ञान में लेकर जिला पंचायत राज अधिकारी के द्वारा स्वयं 2 अप्रैल को अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया गया। जिसमें उन्होंने प्रधान द्वारा किए गए लाखों रुपए के घोटाले को सच पाया उन्होंने ने यह बात स्वीकार करते हुए कहा कि ग्राम प्रधान और सचिव ने मिलकर सिर्फ कागजों में ही विकास कार्यों को दिखाकर लाखों रुपए का गबन कर लिया है। जिसपर उन्होंने ग्राम प्रधान और सचिव को कड़ी फटकार भी लगाई जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है तथा उन्होंने ग्रामीणों को भी आश्वासन दिया कि उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी विधिक कार्यवाही की जाएगी। लेकिन यहां से जाने के बाद दो दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी प्रकार कोई कार्यवाही नहीं गई। ग्रामीणों का कहना है कि साहब पर हमें बहुत भरोसा था कि प्रधान के ऊपर कार्यवाही ऐसी करेंगे कि उनकी हिम्मत इतना बड़ा घोटाला करने की कभी नहीं पड़ेगी लेकिन कोई कार्यवाही न होती देखकर ग्रामीण मायूस हो गए हैं और उनके अन्दर जबरदस्त आक्रोश व्याप्त हो गया है। फिलहाल ग्रामीणों ने अब जिलाधिकारी का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए विशेष टीम गठित करके उचित जांच करकर भ्रष्टाचार पर लिप्त पाए गए ग्राम प्रधान और सचिव पर कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है। अब देखना यह है कि क्या आलाधिकारी सरकारी खजाने से लाखों का गबन करने वाले प्रधान के ऊपर कार्यवाही करते हैं या फिर लाखों का घोटाला करने वाले प्रधान के ऊपर कोई कार्यवाही न करके उसका उत्साहवर्धन करेंगे यह शासन और प्रशासन पर बड़ा सवाल है।

बालिकाओं को भगाने के मुख्य सूत्रधार तक नहीं पहुंची पुलिस की नजर

अखंड भारत संदेश

शरणदाता पर नहीं हुई कार्यवाही सोने के मंगलसूत्र लेकर प्लान बनाने वाले पर भी नहीं हो सकी कार्यवाही

कौशांबी। संयुक्त जिला चिकित्सालय मंझनपुर में संचालित वन स्टॉप सेंटर से 2 महीने पूर्व दो बालिकाओं के भाग जाने के बाद मामले में अधिकारियों ने तमाम जांच शुरू कराई लेकिन दो महीने की जांच के दौरान जांच अधिकारियों की नजर मुख्य सूत्रधार तक नहीं पहुंच रही है जिससे इस गंभीर अपराध के दोषी अभी मौज कर रहे हैं जांच अधिकारी मुख्य सूत्रधार को जानबूझकर नजरअंदाज कर रहे हैं या फिर उनकी जांच की दिशा में खामियां हैं यह तो एक अलग जांच का विषय है बालिकाओं के भाग जाने के बाद उन्हें शरण देने वालों पर अभी तक मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने शरण दाताओं की गिरफ्तारी नहीं की है जबकि शरणदाताओं के नाम सार्वजनिक हो चुके हैं आखिर पुलिस हिरासत से भागी बालिकाओं को शरण देने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी में आखिर इतनी उदारता क्यों बरती जा रही है उनसे पुलिस के क्या रिश्ते हैं। संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित वन स्टॉप सेंटर के दूसरे मंजिल की खिड़की तोड़कर पुलिस अभिरक्षा से भागी बालिकाओं की सुरक्षा में होमगार्ड पीआरडी के जवान और महिला सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई थी लेकिन अभी तक इन पर भी मुकदमा नहीं दर्ज हुआ है पुलिस अभिरक्षा से भागी बालिकाओं को शरण देने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार कर इस घटना कांड के खुलासे का प्रयास किया होता तो अब तक घटना की कलाई परत दर परत खुल जाती लेकिन पुलिस ने इस दिशा में ठोस पहल नहीं की है। चचाओं पर जाएं तो बालिका को अपने प्रेम जाल में फंसाकर शादी का झांसा देकर भगाने वाले युवकों के रिश्तेदार भी वन स्टॉप सेंटर पर ड्यूटी करते थे आखिर युवकों के रिश्तेदारों की गतिबिधियों पर पुलिस अधिकारियों ने क्यों नहीं जांच की दिशा बढ़ाई है। उनके मोबाइल के कॉल डिटेल्स को खंगाला जाना चाहिए लेकिन अभी तक बालिका को भगाने वाले लोगों के रिश्तेदारों के मोबाइल कॉल डिटेल को सर्विलांस पर लगाकर खंगालने का प्रयास नहीं हो सका है जिससे पुलिस की जांच दिशा तमाम सवाल खड़ा कर रही है इतना ही नहीं बालिका का सोने का मंगलसूत्र लेने वाला वन स्टॉप सेंटर का वह कौन है जिसकी चर्चा तेजी से हो रही है।

रेलवे कर्मचारी की निकली गंगा कछार में मिली लाश

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के सांदीपन गंगा नदी घाट के कछार में 03 अप्रैल को एक 30 वर्षीय युवक की लाश मिली थी पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था मौके पर लाश की शिनाख्त नहीं हो सकी थी बाद में परिजनों ने आकर लाश की शिनाख्त कर ली है मृतक भरवारी स्टेशन पर रेलवे कर्मचारी था। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक की पहचान ओमप्रकाश उम्र 28 वर्ष पुत्र राम सिंह निवासी भगवानपुर थाना गाजीपुर जिला फतेहपुर के रूप में हुई है और मृतक आश्रित के रूप में ओम प्रकाश भरवारी रेलवे कर्मचारी था बताया जाता है कि मृतक की पहली पत्नी की मौत हो चुकी है पहली पत्नी से एक बेटा भी है पत्नी की मौत के बाद ओमप्रकाश ने अपनी साली लक्ष्मी देवी से दूसरी शादी की थी

गौरतलब है कि जिस समय गंगा कछार में रेलवे कर्मचारी की लाश मिली थी उस समय युवक के शरीर में केवल अंडरवियर मौजूद थी युवक के शरीर में अंडरवियर के अलावा बाकी कपड़े मौजूद नहीं है युवक की अर्धनग्न लाश गंगा कछार क्षेत्र में कैसे पहुँची यह बड़ी जांच का विषय है। रेलवे कर्मचारी की हत्या कर लाश ठिकाने लगाए जाने की आशंका जताई जा रही है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वास्तविकता से पर्दा उठेगा।

भट्ठों में कायम है बंधुआ मजदूरी बदले में मिलता है गाली गलौज

अखंड भारत संदेश

दलित मजदूरों को परिवार सहित बंधक बनाकर वर्षो से दबंग भट्ठा मालिक करवा रहा है मजदूरी

कौशाम्बी। बंधुआ मजदूरी पर रोक लगाने का केंद्र प्रदेश सरकार चाहे जितना निर्देश दें लेकिन दबंगों के आगे यह निर्देश लागू होता नहीं दिख रहा है मजदूरों को झांसा देकर उन्हें बंधुआ बना लिया जाता है उनसे काम कराया जाता है और जब मजदूर अपनी मेहनत की मजदूरी मांगते हैं तो उनके साथ गाली गलौज मारपीट जान से मारने की धमकी देकर उन्हें चुप करा दिया जाता है आए दिन ईट भट्ठा में मजदूरों के साथ बंधुआ मजदूर जैसे जुल्म ज्यादती भट्ठा मालिक कर रहे हैं लेकिन भट्ठा मालिकों के जुल्म ज्यादती और अत्याचार पर उनके विरुद्ध कार्यवाही नहीं हो पाती है जिससे गरीब कमजोर मजलूम मजदूरों को न्याय नहीं मिलता दिख रहा है न्याय के लिए थाना चक्कर लगाते लगाते मजदूर हताश हो जाते हैं और मजबूर होकर मजदूर अपनी मजदूरी मांगना छोड़ देते हैं अब इस प्रथा को बंधुआ मजदूरी नहीं कहेंगे तो अब बंधुआ मजदूरी की क्या परिभाषा होगी ताजा मामला चरवा थाना क्षेत्र के काजू स्थित एक ईंट भट्टे का है। काजू गांव निवासी गुलाब कली अपने पति मुन्नीलाल और बच्चों के साथ काजू के ईट भट्टे में मजदूरी करने गए थे उसे मजदूरी देने का लालच देकर वर्षों से काम कराया जा रहा है लेकिन मजदूरी के नाम पर केवल इतना पैसा दिया गया है कि वह परिवार का सूखा रूखा पेट पाल सकें मजदूरों के प्रत्येक महीने मजदूरी बकाया हो रही है लेकिन उनके मजदूरी का ना तो हिसाब होता है और ना बकाया रकम मजदूरों को भट्ठा मालिक द्वारा दिया जाता है बार-बार भट्ठा मजदूर अपने बकाया मजदूरी की मांग कर रहे हैं होली के त्यौहार पर घर जाने को मजदूरों ने ईट भट्ठा मालिक सौरभ सिंह और छोटू सिंह से अपने बकाया मजदूरी की मांग की जिस पर दबंग भट्ठा मालिकों ने गुलाब कली उसके पति और बच्चों को गाली गलौज करते हुए प्रताड़ित करना शुरू कर दिया भट्टे में मौजूद अन्य मजदूर इस आतंक अत्याचार को तमाशबीन बनकर सुनते देखते रहे मजदूरों ने बकाया मजदूरी मांगने के लिए जैसे ही दोबारा मुंह खोला उन्हें जातिसूचक शब्दों से जलील करते हुए गोली मार देने की भट्ठा मालिकों ने धमकी दी जिससे भट्ठा मजदूर भयभीत हो गए और मजबूर होकर चुप हो गए।मामले की सूचना भट्ठा मजदूरों ने चरवा थाना पुलिस को दिया जिस पर थाना पुलिस ने भट्ठा मालिक सौरभ सिंह और छोटू सिंह को थाने बुलाया थाने पहुंचे छोटू सिंह और सौरभ सिंह ने फिर थाने के अंदर भट्ठा मजदूरों को बेखौफ तरीके से गाली गलौज करना शुरू कर दिया आतंक मचाने वाले भट्ठा मजदूरों की जुबान रोकने का साहस थाने के किसी पुलिसकर्मी का नहीं हुआ काफी देर तक मजदूरों को भट्ठा मालिक गाली गलौज करते रहे उसके बाद थानेदार ने भट्ठा मालिक को बुलाकर 3 दिन में बकाया रकम देने का निर्देश दिया लेकिन 3 दिन बीत जाने के बाद भी भट्ठा मजदूरों को मजदूरी नहीं मिल सकी अपनी मजदूरी मांगने पर गाली गलौज देने वाले भट्ठा मालिको का यह कारनामा आए दिन किसी न किसी मजदूर के ऊपर गुजरता है महीनों फिर बीत जाने के बाद मजबूर भट्ठा मजदूर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और शिकायती पत्र देखकर पूरा वृतांत बताया और भट्ठा मजदूर ने मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है अब सवाल उठता है कि बंधुआ मजदूरी की तर्ज पर मजदूरी कराने वाले इन आतंकी भट्ठा मालिकों पर कानून के लंबे हाथ पहुंच पाएंगे या फिर थाना पुलिस इनके चंद रुपयों की लालच में झूठी रिपोर्ट लगाकर इनको संरक्षण देती रहेगी।

संपादकीय

धर्म या जाति के आधार पर पार्टी का विरोध

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में घोषित होने के बाद प्रदेश के कुशीनगर क्षेत्र से एक अप्रत्याशित एवं अफसोसनाक खबर आई। खबरों के अनुसार विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का जश्न मनाने पर बाबर नामक एक मुस्लिम युवक की हत्या कर दी गई थी। बताया जा रहा है कि कुशीनगर के रामकोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत कठघरही गांव में बाबर के रिश्तेदारों ने ही उसे पीट-पीटकर मार डाला। बाबर का 'कुसूर' यह बताया जाता है कि उसने विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में चुनाव प्रचार किया था। बाबर के रिश्तेदार कथित तौर पर उससे इसीलिये नाराज थे क्योंकि वह भाजपा के लिये चुनाव प्रचार कर रहा था। उसके रिश्तेदार बाबर से तब और भी नाराज हो गये थे जब उसने भाजपा की जीत पर गांव में मिठाई बांटी थी। इसी के बाद उन्होंने बाबर की जमकर पिटाई कर दी। जिससे बाद इलाज के दौरान उसकी मौत गयी। मरणोपरांत उसके जनाजे को कन्धा देने के लिये भाजपा विधायक पी एन पाठक कई पार्टी समर्थकों के साथ पहुंचे। समाचारों के अनुसार इस मामले पर खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने घटना पर शोक जताते हुए मामले की गहनता से निष्पक्ष जांच हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। विधायक पाठक ने कहा है कि-' इस मामले में कोई भी दोषी बख़्शा नहीं जाएगा, ढूंढवा कर आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी, ऐसी कार्रवाई होगी कि इनकी नस्ल दोबारा ऐसी घटना करने की जुर्रत नहीं कर पाएगी'। कुछ आरोपी गिरफ़्तार भी किये जा चुके हैं। इसी तरह की कुछ खबरें बदायूं,कानपुर और मध्य प्रदेश के इंदौर से भी प्राप्त हुई हैं जिनसे पता चलता है कि कहीं किसी मुस्लिम व्यक्ति को अपने घर पर भाजपा का झंडा लगाने का विरोध सहना पड़ा तो कहीं भाजपा की जीत की खुशी में मिठाई बांटने का तो कहीं अपने घर में प्रधानमंत्री नरेंद्र का चित्र लगाने का। भारतीय लोकतंत्र में जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मर्जी के अनुसार किसी भी विचारधारा के किसी भी राजनैतिक दल का समर्थन अथवा विरोध करने का अधिकार हो वहाँ इस प्रकार के पूर्वाग्रह व इस तरह की हिंसक घटनाओं अथवा धमकियों को किसी भी सूरत में जायज नहीं ठहराया जा सकता। उपरोक्त लगभग सभी घटनाओं का राज्य प्रशासन व स्थानीय पुलिस द्वारा गंभीरता से संज्ञान लिया जा रहा है। बाबर की हत्या की घटना को तो मोहम्मद अखलाक,पहलू खान,तबरेज व जुनैद आदि अनेक लोगों के साथ घटी 'मॉब लिंचिंग' जैसी घटना भी कहा सकता है। सरकार व प्रशासन का ऐसे मामलों में सख़्ती दिखाना स्वागत योग्य कदम है। भारतीय जनता पार्टी भले ही मुस्लिम विरोध के नाम पर बहुसंख्य मतों को ध्रुवीकृत करने की रणनीति पर केंद्रित राजनीति क्यों न करती हो। और मुसलमानों की बहुसंख्य आबादी भी भाजपा को मुस्लिम विरोधी दाल क्यों न स्वीकार करे। परन्तु भाजपा में मुसलमानों का दखल कोई नई बात नहीं है। मध्य प्रदेश से संबंध रखने वाले आरिफ बेग 1973 में जनसंघ से जुड़े थे। वे बीजेपी के एक कद्दावर नेता थे। 1977 लोकसभा चुनाव में जनता पार्टी के टिकट पर बेग ने भोपाल से चुनाव लड़ा था और डॉ. शंकर दयाल शर्मा जो कि आगे चलकर देश के राष्ट्रपति भी बने,को हराकर एक बड़ी जीत दर्ज की थी। बेग 1989 में बैतूल लोकसभा सीट से बीजेपी के उम्मीदवार के तौर पर भी चुनाव लड़े और भारी मतों से जीते।

कश्मीर हिन्दुओं की घाटी में वापसी पर हो कार्य

ललित गर्ग

कश्मीर घाटी में रहने वाले हिन्दुओं की संख्या लगभग 3 से 6 लाख तक थी। 2016 में कश्मीर घाटी में केवल 2 से 3 हजार हिन्दू ही शेष हैं, जबकि सन् 1990 में कश्मीरी हिन्दू 19 जनवरी 1990 के दिन को ह्यदु:खद बहिर्गमन दिवसह्ल के रूप में याद करते हैं। जनवरी का महीना पूरी दुनिया में नए साल के लिए एक उम्मीद ले कर आता है, लेकिन कश्मीरी पंडितों के लिए यह महीना दुख, दर्द और निराशा से भरा है। 19 जनवरी प्रतीक बन चुका है उस त्रासदी का, जो कश्मीर में 1990 में घटित हुई। जिहादी इस्लामिक ताकतों ने कश्मीरी पंडितों पर ऐसा कहर ढाया कि उनके लिए सिर्फ तीन ही विकल्प थे- या तो धर्म बदलो, मरो या पलायन करो। आतंकवादियों ने सैकड़ों अल्पसंख्यक कश्मीरी पंडितों को मौत के घाट उतार दिया था

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि कश्मीरी हिन्दुओं की कश्मीर में वापसी इस तरह होनी चाहिए कि उन्हें फिर उजाड़ा न जा सके, उस पर सरकार ही नहीं, सभी दलों को भी गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। भागवत का यह बयान न केवल कश्मीरी पंडितों के दर्द, वेदना, उपेक्षा के घावों पर मरहम लगाने का काम कर रहा है, बल्कि उनके दर्द को समझने के साथ ऐसा वातावरण बनाने में सहयोग देने की अपेक्षा को भी उजागर कर रहा है कि कश्मीर में हिन्दुओं की वापसी सम्मानजनक तरीके से हो, उनको इस तरह मजबूती से बसाया जाये कि कोई भी शक्ति उन्हें उजाड़ न सके, उन्हें बहिर्गमन करने की विवशता को न भोगना पड़े। यह एक राष्ट्रीय मुद्दा बनना चाहिए। कश्मीरी हिंदुओं का बहिर्गमन एक त्रासदी थी, एक उत्पीड़न की चरम पराकाष्ठा थी, एक राजनीतिक स्वार्थ की घिनौनी एवं अशोभनीय मानसिकता थी जो वर्ष 1989 के अन्तिम चरण से लेकर 1990 के आरम्भिक दिनों तक जेकेएलएफ एवं अन्य इस्लामी उपद्रवियों द्वारा निशाना बनाए जाने की शुरूआत के तुरन्त बाद हुए हिंदू विरोधी नरसंहारों और हमलों की श्रृंखला को संदर्भित करती है, जिसमे अंततः कश्मीरी हिंदू घाटी छोड़कर भागने को मजबूर हुए थे। इसे कश्मीरी पंडितों के पलायन भी कहा जाता है। कांग्रेस, अन्य कश्मीर के राजनीतिक दलों एवं नेताओं ने यह काला अध्याय लिखा और कट्टरवादी शक्तियों ने इसे अंजाम दिया। यही कारण है कि आज भी कांग्रेस सहित कई विपक्षी दल इस बहुचर्चित त्रासदी पर बनी फिल्म ह्यद कश्मीर फाइल्सह्ल को न केवल खारिज कर रहे हैं, बल्कि उसे झूठी फिल्म भी बता रहे हैं। यह उनकी बौखलाहट है, यह उनकी औछी मानसिकता है जिसके चलते वे इस फिल्म को यूट्यूब पर अपलोड करने जैसे बेतुके बयान दे रहे हैं, वहीं कुछ नेता यह दुष्प्रचार करने में जुटे हैं कि यह फिल्म नफरत फैला रही है। कुछ यह भी समझाने में लगे हैं कि सेंसर बोर्ड को तो यह फिल्म पास ही नहीं करनी चाहिए थी। जबकि यह फिल्म साहस एवं संवेदना की सार्थक एवं सत्य अभिव्यक्ति है, एक सत्य को लम्बे समय तक दबाये रखने की कुचेष्ठा को चुनौती देते हुए उस सत्य को प्रकट करने की वीरतापूर्ण प्रस्तुति है, यह राष्ट्रीयता को मूर्च्छित करने वाली शक्तियों को एक करारा तमाचा है। कश्मीरी हिंदुओं की हत्याओं और उनके भयावह उत्पीड़न की सच्ची घटनाओं पर आधारित कश्मीर फाइल्स सफलता के नए मानदंड स्थापित कर रही है तो इसीलिए कि उसने 32 साल बाद कश्मीर के दिल दहलाने वाले सच को सामने लाने का काम किया है। जो लोग भी कश्मीर फाइल्स को वैमनस्य फैलाने वाली बताने की कुचेष्टा कर रहे हैं, उन्हें एक तो यह जानना चाहिए कि यह फिल्म संयुक्त अरब अमीरात में भी रिलीज होने जा रही है। दुनियाभर में इस फिल्म की चर्चाएं हो रही हैं। सत्य कभी ढ़का नहीं रह सकता, वह देरसवेर प्रकट होता ही है। लेकिन इस फिल्म को लेकर जो दुष्प्रचार किया जा रहा है, वह महज राजनीतिक शरारत ही नहीं, बल्कि कश्मीर से मार भगाए गए लाखों कश्मीरी हिंदुओं के जख्मों पर नमक छिड़कने की कोशिश भी है। इस घोर संवेदनहीनता एवं घृणित मानसिकता के पीछे एक उद्देश्य वोट बैंक की राजनीति को साधना है। वास्तव में माहौल खराब करने की कोशिश तो ऐसे ही लोग कर रहे हैं। वे यह देखने से इन्कार कर रहे हैं कि कोई भी फिल्म तभी लोकप्रिय होती है, जब वह लोगों के दिलों को छूती है। राष्ट्रीय आदर्शों, राष्ट्रीय प्रतीकों और राष्ट्रीय मान्यताओं की परिभाषा खोजने के लिए और कहीं नहीं, अपनी विरासत में झांकना होगा, अपने अतीत में खोजना होगा। उन पर राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेकना बन्द करना होगा। अन्यथा राष्ट्र कमजोर होता रहेगा। हमें राष्ट्रीय स्तर से सोचना चाहिए वरना इन त्रासदियों से देश आक्रांत होता रहेगा।

कश्मीर घाटी में रहने वाले हिन्दुओं की संख्या लगभग 3 से 6 लाख तक थी। 2016 में कश्मीर घाटी में केवल 2 से 3 हजार हिन्दू ही शेष हैं, जबकि सन् 1990 में कश्मीरी हिन्दू 19 जनवरी 1990 के दिन को ह्यदु:खद बहिर्गमन दिवसह्ल के रूप में याद करते हैं। जनवरी का महीना पूरी दुनिया में नए साल के लिए एक उम्मीद ले कर आता है, लेकिन कश्मीरी पंडितों के लिए यह महीना दुख, दर्द और निराशा से भरा है। 19 जनवरी प्रतीक बन चुका है उस त्रासदी का, जो कश्मीर में 1990 में घटित हुई। जिहादी इस्लामिक ताकतों ने कश्मीरी पंडितों पर ऐसा कहर ढाया कि उनके लिए सिर्फ तीन ही विकल्प थे- या तो धर्म बदलो, मरो या पलायन करो। आतंकवादियों ने सैकड़ों अल्पसंख्यक कश्मीरी पंडितों को मौत के घाट उतार दिया था। कई महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म कर उनकी हत्या कर दी गई। उन दिनों कितने ही लोगों की आए दिन अपहरण कर मार-पीट की जाती थी। पंडितों के घरों पर पत्थरबाजी, मंदिरों पर हमले लगातार हो रहे थे। घाटी में उस समय कश्मीरी पंडितों की मदद के लिए कोई नहीं था, ना तो पुलिस, ना प्रशासन, ना कोई नेता और ना ही कोई मानवाधिकार के लोग। उस समय हालात इतने खराब थे कि अस्पतालों में भी हिन्दू समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव हो रहा था। सड़कों पर चलना तक मुश्किल हो गया था। कश्मीरी पंडितों के साथ सड़क से लेकर स्कूल-कॉलेज, दफ्तरों में प्रताड़ना हो रही थी- मानसिक, शारीरिक और सांस्कृतिक। 19 जनवरी, 1990 की रात को अगर उस समय के नवनियुक्त राज्यपाल जगमोहन ने घाटी में सेना नहीं बुलाई होती, तो कश्मीरी पंडितों का कत्लेआम व महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म किस सीमा तक होता, इसकी कल्पना नहीं की जा सकती।

साम्प्रदायिक समस्या एवं स्वार्थ की देश तोड़क राजनीति का हल तो तभी प्राप्त हो सकेगा जब इस बात को सारे देश के मस्तिष्क में बहुत गहराई से बैठा दिया जाए कि भारतवर्ष की अपनी सांस्कृतिक विशिष्टता है और उसको आत्मसात करने में ही सबका हित है। हिन्दू और मुसलमान दोनों को ही जब इस देश में रहना है तो दोनों को ही अपनी-अपनी मानसिकता बदलनी होगी। इसीलिये मोहन भागवत ने कश्मीरी पंडितों के दर्द को साझा करते हुए कहा, मुझे लगता है कि वह दिन बहुत करीब है जब कश्मीरी पंडित अपने घरों में वापस आएंगे और मैं चाहता हूं कि वह दिन जल्दी आए। संघ प्रमुख ने कहा कि फिल्म ने 1990 के समय में घाटी से कश्मीरी पंडितों और उनके पलायन की तस्वीर सामने रख दी है। भागवत ने यह भी कहा कि कश्मीरी पंडितों को अपने वतन लौटने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि स्थिति जल्दी बदल सके। ह्वविविधता में एकताह्ल ह्वहम सब एक हैंह्ल, के लिए लम्बा समय और जीवन खपा देने वालों की कुबार्नी को हम भूल रहे हैं। जबकि इस प्रकार की संस्कृति तो नित्य योगदान मांगती है। ये पौधे तो नित्य पानी मांगते हैं। जनता राजनीतिज्ञों से ईमानदारी की अपेक्षा रखती है। वह उन पर जाति सम्प्रदाय का लेबल देखना नहीं चाहती। समझ में नहीं आता सत्ता मोह और धर्मान्धता व्यक्ति को इतना संकीर्ण, अनुदार और बहुरूपिया क्यों बना देती है?

कश्मीरी पंडितों के दर्द को देखना जितना दयनीय है, उतना ही लज्जाजनक भी है। अब कश्मीरी हिंदुओं के दर्द को समझने के साथ ऐसा वातावरण बनाने में सहयोग देना चाहिए कि उनकी घाटी में वापसी हो सके, तब या तो सस्ती राजनीति की जा रही है या फिर परस्पर दोषारोपण किया जा रहा है, अब तोड़ने नहीं जोड़ने की बात हो।

कोई इस फिल्म की विषयवस्तु से सहमत हो या न हो, लेकिन इस सच से मुंह नहीं मोड़ सकता कि कश्मीरी हिंदुओं पर भीषण अत्याचार हुए। यह समझा जाना चाहिए कि लाखों कश्मीरी हिंदुओं का घाटी से पलायन एक ऐसी त्रसदी है, जिसे भूला नहीं जा सकता।

वास्तव में आवश्यक केवल यह नहीं कि कश्मीरी हिंदुओं का दमन करने वालों की पहचान तय कर उन्हें दंडित करने के लिए कोई जांच आयोग बनें, बल्कि यह भी है कि उनकी घर वापसी के लिए ठोस प्रयास किए जाए। ये प्रयास तभी सफल होंगे, जब उन्हें सभी का सहयोग मिलेगा।

भारतीय संस्कृति तथा धरोहर की सुरक्षा जरूरी

किशन भावनानी

भारत में 2 अप्रैल 2022 को विभिन्न नामों तथा रीति-रिवाजों से अनेक समाजों ने पारंपरिक नववर्ष समारोह चेट्टीचंड्र, गुड़ी पाड़वा, नवरात्रा, उगांडी, युगांडी, चैत्र शुक्ला दी, रमजान, सजीबू, चेराओबी, नवरेह, नवसंवतसर, इत्यादि नामों से त्योहार अपने-अपने समाजों में मना कर अनेकता में एकता, विविधता में एकता की प्रतीक हमारी भारतीय संस्कृति तथा धरोहर का एक अच्छा खासा उदाहरण पेश किए!!! इस अवसर पर पारंपरिक नववर्षपर किए समारोहों पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष सहित महत्वपूर्ण संवैधानिक पदों पर बैठे अनेक नामी -गिरामी हस्तियों ने ट्विटर और प्रत्यक्ष स्वयंमुख से बधाईयों के संदेश दिए जो एक सबसे महत्वपूर्ण और खूबसूरत पल था कि इतने सारे अलग -अलग भाषाई पर्वों को खूबसूरती के साथ एक ही दिन पर मनाया गया था। कुछ की शुरूआत की गई जो कुछ दिन समारोह, पूजा-अर्चना चलेगी। साथियों बात अगर हम इसी विविधता में एकता पर्वों, रीति-रिवाजों से स्वर्ण भारत का निर्माण करने की करें तो विवधता में एकता की प्रतीक हमारी भारतीय संस्कृति और सभ्यता और इसीलिए एकजुटता से मिलकर संजोए रखें और इसकी सुरक्षा करते रहें जिससे हमारा आपसी भाईचारा, प्रेम, मोहब्बत, लोगों के बीच रिश्तो में सुदृढ़ीकरण होकर और अधिक मजबूत होंगे जिसकी ताकत से हमारी अनेक मूलभूत समस्याएं जैसे बेरोजगारी पर काबू पाना, अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने, आपसी मतभेद समाप्त करने, हमें हमें आसानी होगी।मिलकर काम करनेसे हमें एकजुटता जज्बाऔर जांबाजी हासिल होगी जिसके बल पर हम एक और एक ग्यारह की कहावत को धरातल पर उतारकर एक शक्तिशाली स्वर्ण भारत बना सकते हैं जो वैश्विक नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त राष्ट्र होगा।

साथियों बात अगर हम स्वर्ण भारत के वैश्विक नेतृत्व की करें तो एक दिन पूर्व से ही हम मीडिया में सुबसुबाहट सुन रहे है कि यूक्रेन-रूस के बीच चल रहे महायुद्ध के बीच भारत को मध्यस्तता के लिए नियुक्त किया जा सकता है ताकि भारत अपने बौद्धिक कौशलता से दोनों राष्ट्रों के नेताओं के बीच आपसी बैठक और बात करा कर युद्ध विराम कर समस्याओं के सुलझाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करने की भूमिका निभा सकता है। साथियों बात अगर हम दिनांक 2 अप्रैल 2022 को माननीय उपराष्ट्रपति द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो उन्होंने भी, युवाओं से भारतीय संस्कृति को संरक्षित तथा सुरक्षित करने और प्रत्येक भारतीय त्यौहार के पीछे के महत्व को समझने की अपील की। उन्होंने शुभकामना जताई कि पारंपरिक नववर्ष देश के लोगों के जीवन में समृद्धि और प्रसन्नता लाए। यह याद दिलाते हुए कि नव वर्ष के त्यौहार प्रकृति के उपहार का भी समारोह है, उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से नव वर्ष पर प्रकृति को संरक्षित करने तथा टिकाऊ पद्धतियों को अपनाने की अपील की। उन्होंने, लोगों विशेष रूप से युवाओं को निष्क्रिय जीवन शैली का त्याग करने तथा स्वस्थ आदतों को अपनाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के बीच रिश्तों के सुदृढ़ीकरण से समाज में सद्भावना को बढ़ावा मिलता है। भारत के वसुधैव कुटुम्बकम के सभ्यतागत मूल्य का स्मरण करते हुए उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से देश की प्रगति के लिए सतत प्रयास करने को कहा। उन्होंने कहा, आइए एकजुट हों तथा आगे बढ़ें, आइए आत्म निर्भर भारत अर्जित करें। उन्होंने कहा कि पारंपरिक नव वर्ष समारोह देशभर में विभिन्न नामों तथा रीति रिवाजों जैसे कि उगाडी, युगाडी, गुडी परवा, चैत्र शुक्लादि, चेतिचांद, सजीबू, चेराओबा, नवरेह, के साथ मनाया जाता है और यह अपनी विविधता तथा अतंरनिहित एकता को प्रदर्शित करता हुआ भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में भारतीय भाषाओं के उपयोग के महत्व पर जोर दिया और सुझाव दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को जहां तक संभव हो, अपने दैनिक जीवन में अपनी मातृभाषा का उपयोग करना चाहिए और उससे प्यार करना चाहिएह्ल। उन्होंने इच्छा जताई कि स्कूलों में कम से कम प्राथमिक स्तर पर निर्देश का माध्यम मातृभाषा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं का प्रशासन एवं न्यायालयों में उपयोग निरंतर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन ने भारत का शोषण किया जिससे भारतीयों के बीच हीन भावना पैदा हो गई।

अभिव्यक्ति

कोरोना के बाद स्कूलों की बेलगाम फीस

राजेश

लगभग दो साल तक कोरोना से जूझने के बाद देश सामान्य गति की ओर बढ़ रहा है। आर्थिक गतिविधियों के साथ अन्य क्षेत्रों में भी चहल-पहल का माहौल है। सबसे सुखद बात यह है कि दो साल के बाद नियमित तौर पर बच्चों ने स्कूल जाना शुरू किया है। फिर पहले जैसा वातावरण अपने आस-पास हमें दिखाई दे रहा है। जब सुबह स्कूल जाते बच्चों की आवाजें और शोर सुनाई देता हैं। लेकिन इस सुखद एहसास को स्कूलों की बेलगाम फीसों और अन्य खर्चों ने थोड़ा बेमजा कर दिया है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि कोरोना संकट के चलते देश की अस्सी फीसदी आबादी की आय में कमी आई। ऐसे में स्कूलों में बेलगाम बढ़ती फीस टीस ही देती है। कोरोना जैसी जानलेवा महामारी के से टूट चुके समाज और देश में बढ़ी फीस का कोई तार्किक व न्यायसंगत आधार नजर नहीं आता। दरअसल, कोरोना संकट से हुई आर्थिक क्षति के बाद जैसे-तैसे लोगों का घरेलू बजट पटरी पर लौट रहा है। लेकिन लोगों की घटी आय सामान्य अवस्था में नहीं लौटी है। सच्चाई यह है कि एक तरफ महंगाई की मार से सूबे की जनता हलकान है तो दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों की मनमानी इन पर और आर्थिक संकट खड़ा कर रही। कोरोना का प्रभाव कम होते ही देशभर में एक बार फिर स्कूल खुल चुके हैं। कुछ निजी स्कूल प्रबंधक द्वारा मनमानी फीस बढ़ोत्तरी की शिकायतें भी हैं। कोरोना काल में अभिभावकों की पहले ही कमर टूट चुकी है अब फीस बढ़ने से अभिभावक परेशान हैं। इसी कड़ी में पंजाब में शिक्षा का कारोबार कर रहे स्कूलों में जहां फीस वृद्धि पर रोक लगायी गई है, वहीं वर्दी व किताबों की खरीद के विकल्प अभिभावकों को दिये गये हैं। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य के सभी कलेक्टरों को जिला स्तरीय फीस विनियमन समितियों का गठन करने और छत्तीसगढ़ अशासकीय विद्यालय फीस विनियमन अधिनियम-2020 के प्रविधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश भर में करीब सात हजार निजी स्कूल संचालित हैं। दरअसल, भारतीय समाज में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की जो होड़ पैदा हुई है, उसका दोहन मुश्किल में अवसर तलाशने वाले चतुर लोगों ने तलाश लिया है। अभिभावकों की दुखती रग पर हाथ रखकर स्कूल संचालकों ने जेब हल्की करने के तमाम तौर-तरीके तलाश लिये हैं। वे न केवल मनमाने तरीके से फीस वसूलते हैं बल्कि किताबें व ड्रेस आदि भी तय की गई दुकानों से खरीदने को बाध्य करते हैं। जाहिरा तौर पर स्कूल संचालकों के हित इन दुकानों से जुड़े रहते हैं। निजी स्कूल फीस तो ले ही रहे हैं, इसके साथ ही डोनेशन चार्ज भी वसूला जा रहा है। हर साल दाखिले के लिए डोनेशन चार्ज लिया जा रहा है। इसके अलावा निजी स्कूलों में ट्यूशन फीस, बस किराया के अलावा यूनिफार्म, बुक्स, स्टेशनरी, फूड, कंप्यूटर क्लास, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता पोशाक, समर वेकेशन, सेलिब्रिटी, गेम्स ट्रेनर, स्कूल बैच, फोटोग्राफी, पेंटिंग प्रतियोगिता, टूर, आनंद मेला और कूपन के आदि के नाम पर वसूली की जा रही है। जहां किताबों की खरीद के लिए अभिभावकों को 5 से 10 हजार तक का खर्चा करना पड़ रहा वही फीस के तौर पर प्राइवेट स्कूलों में मनमानी से अभिभावक अब आर्थिक संकट का सामना करेंगे। अधिकतर अभिभावक आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं, ऐसे में मजबूरी वश उनको अपने बच्चों का दाखिला प्राइवेट स्कूलों से हटा कर सरकारी में करना पड़ रहा है। कोरोना की दूसरी लहर में स्कूल बंद हैं और पढ़ाई और फीस को लेकर अभिभावक परेशान थे। कई राज्यों में फीस का मामला कोर्ट में पहुंचा था। अलग-अलग राज्य सरकारों की ओर से फीस को लेकर आदेश दिए गए जिसको लेकर कहीं स्कूल प्रशासन तो कहीं अभिभावक ही कोर्ट पहुंच गए। फीस का मामला सुप्रीम कोर्ट को निर्देश जारी करने पड़े थे। बावजूद इसके सच्चाई यह है कि इक्का-दुक्का शिक्षण संस्थानों को छोड़कर अधिकतर शिक्षण संस्थानों ने बंदी के बावजूद अभिभावकों से फीस वसूलने में कोई कोताई नहीं की। अभिभावकों ने आर्थिक परेशानी के बावजूद शिक्षण संस्थानों में अपने बच्चों के भविष्य की खातिर जैसे-तैसे करके फीस भरी। सबसे दुखद पहलू यह है कि राज्य सरकारों के आदेशों और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बावजूद निजी शिक्षण संस्थान अपनी मनमानी पर उतारू रहे। अब चूंकि दो साल बाद नियमित तौर पर शिक्षण संस्थान खुलने जा रहे हैं, ऐसे में शिक्षण संस्थान स्कूल फीस व अन्य खर्चों के नाम पर अभिभावकों की कमर तोड़ने का काम कर रहे हैं।

नवीन पीढ़ी के लिए बुजुर्गों की सलाह

संजीव ठाकुर

यह विडंबना है मनुष्य अत्यंत अनुभवी परिपक्व,प्रबुद्ध शालीन हो जाता है तब उसके अनुभव कार्य के परिपक्व मस्तिष्क का हम सदुपयोग नहीं करते उन्हें अवकाश प्रदान कर देते हैं यह भी इस सिक्के का दूसरा पहलू है कि किस उम्र में शरीर में थकावट और वृद्धावस्था आ जाती है पर हम उन्हें सम्मान और यथा योग्य महत्व देकर उनके मार्गदर्शन और परामर्श का यथोचित लाभ लेकर अपने जीवन व्यवसाय अथवा नई नीतियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, पर अमूमन ऐसा होता नहीं है। वृद्धावस्था को जीवन का अंतिम पड़ाव एवं समस्याओं से गिरी हुई अवस्था माना जाता है, क्योंकि इस अवस्था में वृद्धों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। समय की रफ्तार के साथ समाज में अनेक परिवर्तन होने लगे हैं। नवीन पीढ़ी के लोग पुराने विचारों के लोगों का उनके जीवन में हस्तक्षेप उचित ना समझ कर बर्दाश्त नहीं करते हैं,इसी कारण युवा पीढ़ी बुजुर्गों और वृद्धों के विचारों की गहन उपेक्षा करने लगते हैं और बुजुर्गों को लगता है कि उनकी समाज में उपयोगिता धीरे धीरे कम हो रही है। जीवन का सांध्य काल आने पर मनुष्य कई समस्याओं से घिर जाता है। सबसे बड़ी समस्या शारीरिक क्षमता में कमी आ जाने की है, शरीर की सभी इंद्रियां धीमी पड़ जाती हैं,अनेक प्रकार की व्याधियों से शरीर घिर जाता है और मनुष्य धीरे-धीरे शरीर पर नियंत्रण खोता जाता है। उम्र के वृद्धावस्था के पड़ाव पर अनेक शारीरिक बीमारियों के साथ-साथ मूल समस्या मानसिक व्याधि की होती है। सरकारी तथा गैर सरकारी संगठनों में वेतन भोगी कर्मचारी को एक निर्धारित आयु के बाद सेवानिवृत्त कर दिया जाता है और यह मान लिया जाता है कि वह व्यक्ति अब शारीरिक एवं मानसिक श्रम के योग्य नहीं रहा चाहे वह व्यक्ति स्वस्थ ही क्यों ना हो। इसके बाद उस व्यक्ति के जीवन में अनेक कठिनाई आने लगती हैं। जैसे ही व्यक्ति की आर्थिक उपयोगिता समाज में कम होने लगती है, वह समाज के लिए अनुपयोगी मान लिया जाता है और इस अवस्था में पहुंचने के बाद मानसिक तनाव की स्थिति बनने लगती है। लोगों के संपर्क में न रहना, सहयोगी तथा मित्रों की मृत्यु भी मानसिक तनाव का बड़ा कारण होती है। आत्मविश्वास की धीरे-धीरे कमी होने लगती है। जिससे मानसिक विकृति अकेलापन आदि जैसे रोगों का निर्माण होने लगता है। इस अवस्था में मान सम्मान की कमी की समस्या तो होती ही है, दूसरी तरफ सीमित तथा अल्प धन की उपलब्धता के कारण आर्थिक कष्ट भी वृद्धों को उठाना पड़ता है। इसके साथ ही परिवार तथा समाज की नजरों में व्यक्ति अनुपयोगी, बोझ, फालतू समझा जाने लगता है, जिससे बुजुर्ग व्यक्ति के मन में एक प्रकार की वितृष्णा आने लगती है। और कई बुजुर्ग इस अवहेलना को ना बर्दाश्त कर आत्महत्या तक कर बैठते हैं। जो व्यक्ति कुछ समय पहले तक महत्वपूर्ण था, विशिष्ट था वह अचानक ही बोझ समझा जाने लगता है। उसके मान सम्मान एवं भावनाओं का महत्व बहुत कम हो जाता है। भागदौड़ वाली इस जिंदगी में युवा पीढ़ी अपने बुजुर्गों से एक दूरी बनाना शुरू कर देती है और वह व्यक्ति अकेला ही रह जाता है। जब मनुष्य अपने को एकाकी समझने लगता है तो यह उसके जीवन का सर्वाधिक कठिन समय एवं पल होता है। आत्मविश्वास जनित प्रेरणा की कमी वृद्धावस्था को बोझिल बना देती है। व्यक्ति की स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है, दूसरों पर निर्भरता बढ़ने लगती है। नई पीढ़ी द्वारा उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। यही परिस्थिति वृद्धा अवस्था के लिए एक अभिशाप की तरह होती है। वृद्धावस्था में मनुष्य के मानसिक तथा शारीरिक कष्ट के प्रमुख कारणों में से संयुक्त परिवार का विघटन भी है।

रामभरोसे मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल

डॉ. सुरेश कुमार

भजनखबरी ने धीमे से कहा मुझे बहुत डर लग रहा है। इस पर परिजन ने कहा - डरने की कोई बात नहीं सब कुछ ठीक हो जाएगा। भजनखबरी उस पर चिढ़ते हुए कहा झ अरे भाई वो मेरा ऑपरेशन करना चाहते हैं। समझने की कोशिश करो। परिजन ने कहा झ डरो मत। कुछ नहीं होगा। छोटा-मोटा ऑपरेशन करेंगे। सब कुछ ठीक हो जाएगा। भजनखबरी ने झुंझलाते हुए कहा झ मुझे ऑपरेशन से डर नहीं लगता। डर तो मुझे उस डॉक्टर से लग रहा है। नर्स मेरे बजाय डॉक्टर का हौंसला बढ़ा रही है और कह रही है - घबराइए मत! ऑपरेशन करने का मौका बार-बार नहीं मिलता। आज नहीं तो कल किसी न किसी का ऑपरेशन करना ही है। समझो यह मरीज वही है। मैं हूँ न! सब देख लूँगी। इतना सुनना था कि परिजन की सिट्टी-पिट्टी गुल। वार्ड ब्वॉय कोने में खड़े-खड़े यह सब कुछ बड़े ध्यान से देख रहा था। वह भजनखबरी के पास आया। परिजन को वहाँ से भगा दिया। वार्ड ब्वॉय ने भजनखबरी से कानाफूसी करते हुए कहा- चुपचाप पड़े रहो। ज्यादा चपड़-चपड़ मत करो। वह डॉक्टर अस्पताल में नया आया है तो क्या हुआ? शुक्र मनाओ नर्स तो पुरानी है। अच्छा है कि तुम जल्दी आ गए। थोड़ा लेट आते तो मेरे हाथों ही नप जाते। तब तुम मिस्टर भजनखबरी नही लेट भजनखबरी कहलाते। वो तो भगवान का भला हो जो तुम्हारी किस्मत अच्छी है। वो जैसा कहते हैं वैसा करो। नहीं तो बिना इलाज के मुफ्त में मारे जाओगे। तभी डॉक्टर ने वार्ड ब्वॉय से मरीज का भर्ती फॉर्म भरवाने के लिए कहा।

वॉर्ड ब्वाय ने परिजन से फॉर्म भरवाया। फॉर्म भरकर परिजन जैसे ही पलटा तुरंत उसे टोकते हुए वार्ड ब्वॉव ने कहा झ लगता है तुम्हें अभी अस्पताल के बारे में ठीक से पता नहीं है। लोग समझते हैं कि मरीजों को डॉक्टर ठीक करते हैं। जबकि सच यह है कि मरीज का ठीक होना डॉक्टर या भगवान के हाथ में नहीं हमारे हाथ में होता है।

सुनील गावस्कर ने कहा- केएल राहुल लखनऊ के लिए फिनिशर की भूमिका भी निभा सकते हैं

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट लीजेंड सुनील गावस्कर का मानना है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल आईपीएल 2022 में टीम के लिए फिनिशर की भूमिका भी निभा सकते हैं। राहुल की प्रशंसा करते हुए गावस्कर ने कहा कि राहुल के पास अपनी टीम के लिए फिनिशर बनने के सभी गुण हैं।

गावस्कर ने कहा कि राहुल किसी भी टीम का अहम हिस्सा होते हैं। वह ओपनिंग करते हैं और 20 ओवर बल्लेबाजी करने के लिए जाते हैं और अपनी टीम के लिए गति निर्धारित करते हैं। मेरा मानना है कि उनमें फिनिशर बनने की क्षमता भी है। वह ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो सिर्फ पारी की शुरुआत कर सकते हैं और टीम को अच्छी शुरुआत दिला सकते है। उनके पास पारी को खत्म करने की भी क्षमता। उनके पास भरपूर शॉट हैं। इसलिए अगर वह 15वें-16वें ओवर तक खेलते हैं तो लखनऊ स्कोरबोर्ड पर 200 से अधिक का स्कोर खड़ा कर सकता है।

शीर्ष चार में पहुंचा पंजाब, इन तीन टीमों का नहीं खुला खाता

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन का खेल जारी है। दो नई टीमों के जुड़ने से लीग का रोमांच अपने चरम पर है। सभी टीमों के बीच यहां जोरदार टक्कर देखने को मिल रही है। एक हफ्ते से अधिक का समय हो चुका है और इस दौरान इसमें कई करीबी मुकाबले देखने को मिले हैं। रविवार को भी पंजाब और चेन्नई के बीच एक अच्छा मुकाबला खेला गया जिसमें मयंक अग्रवाल की टीम ने बाजी मारी। इस मैच के बाद अंक तालिका में भी बड़ा बदलाव हुआ है। पंजाब किंग्स अब तीन में दो मुकाबले जीतकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। जबकि चेन्नई अपने शुरू के तीनों मैच हारकर नौवें स्थान पर खिसक गई है।जस्थान रॉयल्स अपने दोनों मैच अच्छे रन रेट से जीतकर शीर्ष पर काबिज है। कोलकाता नाइट राइडर्स तीन में से दो मैच जीतकर चार अंकों और बेहतर रन रेट के साथ दूसरे स्थान पर काबिज है। तीसरे नंबर पर लीग की नई टीम गुजरात टाइटंस है जो अपने दोनों मैच जीतकर तीसरे पायदान पर है। इसके बाद पंजाब की टीम भी तीन में दो मुकाबले जीतकर चौथे स्थान पर पहुंच गई है। इन सबके बाद दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जाएंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर दो में से एक मैच जीतकर क्रमशः पांचवें, छठे और सातवें पायगान पर है।

टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम मुंबई इंडियंस, चार बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और पूर्व चैंपियन सनराइजर्स हैदराबाद, इन तीनों टीमों का खाता नहीं खुला है और ये क्रमशः आठवें, नौवें और 10वें नंबर पर बनी हुई हैं। इसमें सनराइजर्स ने अभी तक सिर्फ एक मैच खेले हैं, मुंबई ने दो और चेन्नई ने तीन मैच खेले हैं।

'धोनी फिनिश नहीं हुए, वह फिनिशर हैं', माही के समर्थन में उतरे पूर्व क्रिकेटर

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी छोड़ने के बाद महेंद्र सिंह धोनी आईपीएल 2022 में पहली बार बतौर खिलाड़ी खेल रहे हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के शुरू होने से दो दिन पहले टीम की कप्तानी छोड़ दी और रवींद्र जडेजा को अपना उत्तराधिकारी बना दिया। पूर्व कप्तान के इस कदम के बाद फैंस उनके टी-20 लीग में भविष्य को लेकर चिंतित हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ को लगता हे कि धोनी अभी फिनिश नहीं हुए हैं। धोनी ने अभी तक आईपीएल 2022 में तीन मैचों में 89 रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने एक अर्धशतक भी लगाया है।

उनका स्ट्राइक रेट भी 123 का रहा है। पिछले कुछ समय से अपनी बल्लेबाजी को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे धोनी ने इस बार सभी को चौंकाया है। कैफ के मुताबिक जिस तरह से धोनी ने अभी तक दो मैचों में बल्लेबाजी की है उसे देखकर ये बिल्कुल नहीं लगता है कि उनके अंदर का क्रिकेट खत्म हो गया है। पूर्व क्रिकेटर के मुताबिक एमएस धोनी अभी फिनिश नहीं हुए हैं बल्कि वो फिनिशर हैं। स्पोर्ट्सकीड़ा के एक शो में कैफ ने बात करते हुए कहा, 'ये वो साल हो सकता है जब एमएस धोनी हमें अपने पुराने फॉर्म में पहले की तरह ही पहली ही गेंद से शॉट लगाते दिखें। उन्होंने कहा, 'धोनी अभी फिनिश नहीं हुए हैं, बल्कि वो फिनिशर हैं। लोगों ने कहा कि उनका समय अब खत्म हो गया है और ये उनका आखिरी आईपीएल हो सकता है। लेकिन जिस तरह से उन्होंने शुरू के दो मैचों में बल्लेबाजी की, दोनों ही मैचों में नाबाद रहे।

रोस टेलर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

हैमिल्टन। रोस टेलर ने नीदरलैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में यहां न्यूजीलैंड की तरफ से अपना आखिरी मैच खेला जिसमें उन्होंने 14 रन बनाए तथा दर्शकों ने खड़े होकर इस दिग्गज का अभिवादन किया। टेलर का यह न्यूजीलैंड के लिये 450वां और आखिरी मैच था जिससे उनके 16 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का भी अंत हो गया।

खिलाड़ियों ने ऐसे दिया सम्मान

इस 38 वर्षीय बल्लेबाज ने इस साल के शुरू में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेला था लेकिन वह अपने घरेलू मैदान सेडन पार्क पर अंतिम मैच खेलकर क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते थे। राष्ट्रगान के दौरान टेलर के बच्चे मैकेंजी, जोंटी और एडिलेड उनके साथ खड़े थे। जब वह मैदान पर उतरे और वापस लौटे तो नीदरलैंड के खिलाड़ियों ने उनके दोनों तरफ खड़े होकर उन्हें सम्मान दिया।

दुनिया के एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं टेलर

टेलर ने 2006 में न्यूजीलैंड के लिए अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। इसके अगले वर्ष उन्होंने अपना पहला टेस्ट खेला। उन्होंने 112 टेस्ट मैचों में 19 शतकों की मदद से 7,683 रन बनाए। टेलर ने 236 एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 8,593 रन और 102 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 1,909 रन बनाए। टेलर दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीनों प्रारूप में 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं।

पवेलियन लौटने के दौरान चेहरे की मुस्कान फीकी थी

उन्हें अपने आखिरी मैच में क्रीज पर उतरने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। मार्टिन गुप्टिल और विल यंग के बीच दूसरे विकेट के लिए 203 रन की साझेदारी के कारण वह 39वें ओवर में क्रीज पर उतर पाए। उनके मैदान पर आते ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। जब वह 14 रन बनाकर आउट होने के बाद वापस पवेलियन लौट रहे थे तो उनके चेहरे पर फीकी मुस्कान थी। वह नीदरलैंड के खिलाड़ियों के बीच से निकलकर मैदान से बाहर गए। इस बीच दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया।

टेलर का बयान

टेलर ने कहा, 'मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार और चेहरे पर मुस्कान लेकर खेला। मैंने पूरे गर्व और सम्मान के साथ अपने देश का प्रतिनिधित्व किया। मैं शुरू से देश के लिए खेलना चाहता था।'

फ्रांसीसी फुटबॉल लीग : एमबापे, नेमार और मेसी ने दागे गोल, पीएसजी की बड़ी जीत

पेरिस । स्टार स्ट्राइकर काइलन एमबापे ने दो गोल दागने के अलावा बाकी तीन गोल करने में सहयोग किया जिससे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लोरिएंट को 5-1 से करारी शिकस्त देकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में रिकार्ड 10वां खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को पंख लगाए। नेमार ने एमबापे की मदद से 12वें मिनट में पीएसजी की तरफ से पहला गोल किया। इस ब्राजीली स्टार ने फ्रांसीसी स्ट्राइकर की मदद से 90वें मिनट में अपना दूसरा और टीम की तरफ से पांचवां गोल किया था। एमबापे ने इस बीच 28वें और 67वें मिनट में स्वयं गोल दागे थे। उन्होंने 73वें मिनट में लियोनेल मेसी को टीम की तरफ से चौथा गोल करने में भी मदद पहुंचाई थी। लीग में अब जबकि आठ दौर का खेल बचा हुआ है तब पीएसजी दूसरे नंबर की टीम मार्सेली से 12 अंक आगे हो गया है। पीएसजी के 68 और मार्सेली के 56 अंक हैं।

जर्मनी को 2-1 से हराकर भारत महिला जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

पोटचेपस्ट्रूम । भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच जूनियर विश्व कप के पूल चरण के मुकाबले में यहां जर्मनी को 2-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। शनिवार को ग्रुप डी के अपने शुरूआती मैच में वेल्स को 5-1 से मात देने वाली भारतीय टीम ने इस मैच में जर्मनी को हराकर उलटफेर किया। टीम के लिए लालरेम्सियामी (दूसरे मिनट) और मुमताज खान (25 वें) ने पेनल्टी कार्नर को गोल में रूपांतरण के माध्यम से विजेता बनकर उभरे। जर्मनी की ओर से एकमात्र गोल जूल ब्लेयूल ने 57वें मिनट में किया।

भारतीय टीम आठ अप्रैल से शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल चरण से पहले मलेशिया के खिलाफ पूल चरण के आखिरी मुकाबले में भिड़ेगी। भारतीय टीम इस समय पूल डी में दो मैचों में दो जीत के साथ शीर्ष पर है जबकि जर्मनी की टीम इस तालिका में दूसरे स्थान पर है। हर पूल से दो-दो टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी। जर्मनी के खिलाफ भारतीय टीम को दूसरे मिनट में ही पेनल्टी कार्नर मिला। दीपिका की ड्रैग फ्लिक को जर्मनी की गोलकीपर माली विचमैन ने बचा लिया लेकिन लालरेम्सियामी ने रिबाउंड पर गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद जर्मनी ने भारतीय रक्षापंक्ति पर लगातार दबाव बनाकर कई पेनल्टी कार्नर हासिल किए लेकिन वे गोलकीपर बीचू देवी करिबाम की मुस्तैदी को नहीं भेद पाए। उन्होंने दूसरे क्वार्टर में जेट फ्लेशचुट्ज के पेनल्टी स्ट्रोक का शानदार बचाव किया। भारतीयों ने इसके बाद ज्यादातर जवाबी हमले के दम पर लगातार 2 पेनल्टी कार्नर हासिल किया, जिसमें से 25वें मिनट में दूसरे पेनल्टी कार्नर पर मुमताज ने गोलकर टीम की बढ़त दोगुनी कर दी। दो गोल से पिछड़ने के बाद जर्मनी की टीम ने आक्रमण जारी रखा लेकिन वे भारतीय रक्षापंक्ति को भेदने में सफल नहीं हुए। भारतीय टीम ने चौथे क्वार्टर में अपने खेल के स्तर को और बढ़ाया। टीम जर्मनी के सर्किल में कई बार पहुंचने के बावजूद गोल करने में सफल नहीं रही। जर्मनी ने मैच खत्म होने से तीन मिनट पहले ब्लेयूल ने रिवर्स शॉट लगाकर शानदार मैदानी गोल कर मैच में टीम की वापसी कराई लेकिन यह काफी साबित नहीं हुआ। इस प्रतियोगिता में भारत ने 4 बार भाग लिया है जिसमें 2013 में कांस्य पदक उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भारतीय टीम आठ अप्रैल से शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल चरण से पहले मलेशिया के खिलाफ पूल चरण के आखिरी मुकाबले में भिड़ेगी।

आईसीसी टीम में ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ी, किसी भारतीय को नहीं मिली जगह

दुबई । चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ियों को हाल में संपन्न हुए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के प्रदर्शन के आधार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टीम (मोस्ट वैल्यूएबल टीम) में शामिल किया गया है लेकिन लीग चरण से बाहर होने वाली मिताली राज की अगुवाई वाली भारतीय टीम की कोई भी खिलाड़ी इसमें जगह नहीं बना पाई।

आईसीसी ने यह टीम जारी की जिसमें ऑस्ट्रेलिया की चार खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई एलिसा हीली भी शामिल हैं जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 170 रन बनाकर अपनी टीम की जीत की नींव रखी थी।

ऑस्ट्रेलिया की कप्तान मेग लैनिंग को इस टीम का भी कप्तान बनाया गया है जिसमें राचेल हेन्स और बेथ मूनी भी शामिल हैं। हीली ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 509 जबकि हेन्स ने 497 रन बनाए। पिछली बार की उप-विजेता भारतीय टीम लीग चरण के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका से हारकर सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाई थी।

आईसीसी की टीम इस प्रकार है :

मेग लैनिंग (कप्तान), एलिसा हीली (विकेटकीपर), राचेल हेन्स, बेथ मूनी (सभी आस्ट्रेलिया); लौरा वोल्वार्ट, मैरिज़ान कैप, शबनीम इस्माइल (सभी दक्षिण अफ्रीका); सोफी एक्लेस्टोन, नेट साइवर (दोनों इंग्लैंड), हेली मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), सलमा खातून (बांग्लादेश)।

बारहवां खिलाड़ी: चार्ली डीन (इंग्लैंड)

चेन्नई के खिलाफ डेब्यू मैच में कमाल करने वाले वैभव अरोड़ा बोले- हमेशा नई गेंद स्विंग कराई, खुद पर विश्वास था

मुंबई। पंजाब किंग्स के युवा तेज गेंदबाज वैभव अरोड़ा अपने पहले ही मैच में कमाल की गेंदबाजी कर चर्चा में आ चुके हैं। वैभव ने अपने पहली ही मैच में चेन्नई के दो बल्लेबाजों को आउट करके अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और यह मैच जिताने में अहम योगदान दिया। उन्होंने इस मैच में 21 रन देकर दो विकेट लिए। मैच के बाद वैभव ने कहा है कि उन्हें खुद पर विश्वास था। उन्होंने हमेशा ही नई गेंद को दोनों तरफ स्विंग कराया है। कप्तान ने भी उन पर भरोसा जताया और वो मयंक के भरोसे पर खरे उतरे। चेन्नई को हराने के साथ ही पंजाब किंग्स तीन मैचों में दो जीत के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर आ चुकी है। वहीं चेन्नई लगातार तीन हार के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गई है।

मजबूत हुई पंजाब की गेंदबाजी

एक मैच के आधार पर यह कहना जल्दीबाजी होगी कि पंजाब को एक और बेहतरीन तेज गेंदबाज मिल गया है, लेकिन

पहले मैच में वैभव ने खासा प्रभावित किया। उन्होंने पावरप्ले में तीन ओवर किए और मयंक ने सातवां ओवर भी उनसे ही कराया। इस मैच में अरोड़ा की 14 गेंदों पर चेन्नई के बल्लेबाज रन नहीं बना सके।

पंजाब ने पावरप्ले में ही चेन्नई के चार बल्लेबाजों को आउट कर दिया था। ऐसे में मयंक ने वैभव से लगातार चौथा ओवर कराया और विकेट के लिए जाने को कहा। हालांकि, वैभव को विकेट नहीं मिला, लेकिन उन्होंने इससे पहले रॉबिन उथप्पा और मोईन अली का अहम विकेट लेकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था।

वैभव ने मैच के बाद कहा 'आईपीएल में यह मेरा पहला मैच था और मेरे ऊपर दबाव था, लेकिन मुझे खुद पर यकीन था। इससे पहले घरेलू क्रिकेट और प्रैक्टिस मैचों में मैंने जब भी नई गेंद से गेंदबाजी की थी, अच्छा प्रदर्शन किया था।

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी बनने के बाद इगा स्वांतेक का खुलासा, कहा- बार्टी के संन्यास की खबर सुनकर 40 मिनट रोई थीं

नई दिल्ली। इगा स्वांतेक अब आधिकारिक तौर पर दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। पोलैंड की 20 वर्षीय खिलाड़ी ने एश्ले बार्टी के संन्यास लेने के बाद ताजा डबल्यूटीए रैंकिग में शीर्ष पर कब्जा किया। वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाली दुनिया की 28वीं महिला खिलाड़ी हैं। वह टेनिस इतिहास में शीर्ष पर पहुंचने वाली पोलैंड की पहली खिलाड़ी हैं।

स्वांतेक मियामी ओपन के पहले दौर का मुकाबला जीतते ही नंबर एक की रैंकिंग अपने नाम कर चुकी थीं और शनिवार को उन्होंने मियामी ओपन जीतने के बाद अपनी रैंकिंग को और मजबूत किया। पोलैंड की युवा

खिलाड़ी ने खिताबी मुकाबले में जापान की स्टार खिलाड़ी खिलाड़ी नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में हराकर एक सीज़न में पहली तीन डब्ल्यूटीए 1000 स्पर्धाओं में स्वीप करने वाली पहली खिलाड़ी बनीं।

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ने कहा कि तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता एश्ले बार्टी के संन्यास की खबर सुनकर वह 40 मिनट तक रोते रही थीं। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगा था कि ऐसा कुछ होने वाला है और इसने मुझे हैरान किया। मुझे यह समझने में समय लगा कि उन्होंने क्या सोचा होगा लेकिन यह साहसिक फैसला था।'

ऑस्ट्रेलिया की स्टार खिलाड़ी एश्ले बार्टी ने नंबर एक रैंक पर रहते हुए पिछले महीने 25 साल की उम्र में टेनिस से संन्यास ले लिया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया ओपन का खिताब जीतने के कुछ महीने बाद संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था।

चोटिल लवनीत की जगह रजत पाटीदार बैंगलोर टीम में शामिल, दिल्ली के नोर्त्जे के भी जल्द फिट होने की उम्मीद

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के बल्लेबाज रजत पाटीदार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग के बचे हुए सत्र के लिए चोटिल लवनीत सिसोदिया की जगह टीम में शामिल किया। पाटीदार पहले भी चार बार आरसीबी फ्रेंचाइजी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, वह 31 टी20 में 138.64 के स्ट्राइक रेट से सात अर्द्धशतकों की मदद से 861 रन बना चुके हैं। इंदौर के 28 साल के इस खिलाड़ी ने 39 प्रथम श्रेणी मैचों में 2588 रन बनाये हैं। वह आरसीबी से 20 लाख रुपये में जुड़ेंगे।

जल्द फिट हो जाएंगे नोर्त्जे- पोंटिंग

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद है कि दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नोर्त्जे आईपीएल में खेलने के लिए जल्द फिट हो जाएंगे तथा लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ सात अप्रैल को होने वाले मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। नोर्त्जे पीठ और कूल्हे की चोट के कारण पिछले साल नवंबर

में टी20 विश्वकप से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं।

पोंटिंग ने कहा, 'नोर्त्जे ने अभ्यास के दौरान अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी की। उन्हें अभी अपनी पूरी क्षमता से चार और पांच स्पेल और करने होंगे और तब मुझे लगता है कि उन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका से खेलने की अनुमति मिल जाएगी। हमारे अगले मैच में अभी कुछ दिन का समय है, इसलिए उम्मीद है कि वह अगले मैच में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।' ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर और मिशेल मार्श की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर पोंटिंग ने कहा, 'वॉर्नर मुंबई पहुंच गए हैं। मिशेल मार्श पिछले कुछ दिनों से मुंबई में हैं और अभी एकांतवास पर हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि वह (मार्श) 10 अप्रैल को (कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ) होने वाले मैच के लिये उपलब्ध रहेगा। पाकिस्तान में उसके कूल्हे में चोट लग गयी थी और कुछ अभ्यास सत्र के बाद वह चयन के लिये उपलब्ध रहेगा।''

शंघाई में कोरोना वायरस के प्रकोप से निपटने के लिए चीन ने सेना भेजी

बीजिंग। शंघाई में कोरोना वायरस संक्रमण पर लगाम लगाने में संघर्ष कर रहे चीन ने देशभर से 10,000 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों को अपने सबसे बड़े शहर रवाना किया। इनमें 2,000 से अधिक सैन्य चिकित्साकर्मी भी शामिल हैं। शंघाई में दो चरण वाले लॉकडाउन के दूसरे सप्ताह में प्रवेश करने के बीच शहर के ढाई करोड़ बाशिंदों की सामूहिक कोविड-19 जांच जारी है।

कर्मचारियों को पृथक रखकर भले ही कई कारखाने और वित्तीय कंपनियां अपना कामकाज जारी रखने में सफल रही हैं, लेकिन लॉकडाउन की अवधि बढ़ने से चीन की आर्थिक राजधानी एवं प्रमुख नौवहन व विनिर्माण केंद्र पर पड़ने वाले संभावित वित्तीय प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। सार्स-कोव-2 वायरस का बेहद संक्रामक स्वरूप 'ओमीक्रोन बीए-2' अपनी जीरो-कोविड स्थिति बरकरार रखने की चीन की रणनीति की परीक्षा ले रहा है। चीन की रणनीति का मकसद जांच में संक्रमण की पुष्टि के बाद सभी संक्रमितों को पृथक करके वायरस के प्रसार पर लगाम लगाना है, फिर चाहे उनमें लक्षण उभरे हों या नहीं। शंघाई ने एक प्रदर्शनी हॉल और अन्य प्रतिष्ठानों को बड़े पृथकवास केंद्रों में तब्दील कर दिया है, जहां अस्थाई रूप से विभाजित बेड पर हल्के या बिना लक्षण वाले संक्रमितों को रखा जा रहा है।

इमरान खान ने अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड पर उनकी सरकार को अस्थिर करने में शामिल होने का आरोप लगाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू अविश्वास प्रस्ताव के जरिये उनकी सरकार को गिराने की 'विदेशी साजिश' में शामिल थे। नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष द्वारा विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद यहां पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए खान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान भी यह पाया गया था कि अविश्वास प्रस्ताव के जरिये देश की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप का प्रयास किया गया।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी विदेश विभाग में दक्षिण एशियाई मामलों को देखने वाले शीर्ष अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड उनकी सरकार गिराने की 'विदेशी साजिश' में शामिल थे। पाकिस्तान के विपक्षी दलों के नेताओं ने खान के आरोप को बेबुनियाद करार दिया जबकि अमेरिका ने आरोपों को खारिज किया।

पाक में चल रहे सियासी घमासान के बीच पूर्व पत्नी ने इमरान खान को बताया 'पागल', कहा- देश के लिए खतरा है ऐसा शख्स

इस्लामाबाद। क्रिकेट खिलाड़ी से राजनेता बने इमरान खान ने देश की राजनीतिक पिच पर 'गुगली' फेंककर विपक्षी नेताओं को चौंका दिया है। विपक्ष द्वारा नेशनल असेंबली में इमरान खान नीत सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले खान ने राष्ट्रपति से संसद भंग करने की सिफारिश कर बहुमत से दूर होने के बावजूद बाजी पलट दी। खान के समर्थकों ने इसे एक गेंद में तीन विकेट लेना करार दिया है। वहीं पाकिस्तान में सियासी घमासान के बीच इमरान खान की पूर्व पत्नी ने उन्हें 'पागल इंसान' बता दिया है। इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान ने कहा है कि वह न केवल अपने लिए खतरा पैदा कर रहे हैं बल्कि देश को भी मुश्किल में डाल रहे हैं। रेहम खान ने कहा, इमरान खान बहुत ही घमंडी इंसान है जो कि न केवल अपने लिए खतरा पैदा कर रहा है बल्कि एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र को खतरे में डाल रहा है। यह सब इसलिए किया जा रहा है क्योंकि इमरान जो कुछ चाहते थे वह नहीं मिल रहा है। उन्होंने इमरान खान पर आरोप लगाते हुए कहा, वह नियम कानून का सम्मान नहीं करते हैं।

आपको बतां दे कि इमरान खान ने संसद के निचले सदन, 342 सदस्यीय नेशनल असेंबली में प्रभावी तौर पर बहुमत खो दिया था। देश के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल ने पाकिस्तान की वर्तमान राजनीतिक स्थिति पर स्वतःसंज्ञान लेते हुए कहा था कि नेशनल असेंबली को भंग करने के संबंध में प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति द्वारा शुरू किए गए सभी आदेश और कदम अदालत के आदेश पर निर्भर होंगे। न्यायाधीश बंदियाल ने साथ ही इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई एक दिन के लिए स्थगित कर दी थी। उच्चतम न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ ने सप्ताहांत के बावजूद प्रारंभिक सुनवाई की तथा राष्ट्रपति अल्वी और नेशनल असेंबली के उपाध्यक्ष सूरी सहित सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए। शीर्ष अदालत ने सभी पक्षों को कोई भी असंवैधानिक कदम उठाने से बचने का आदेश दिया और मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी थी। ससे पहले, विपक्ष ने शीर्ष अदालत से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया था और सदन में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने नेशनल असेंबली को भंग किए जाने को चुनौती देने की अपनी पार्टी के फैसले की घोषणा की थी।

यूक्रेन में बर्बरता; कीव के नजदीकी इलाकों में बड़ी संख्या में मिली लाशें, जलेंस्की ने कहा नरसंहार तो रूस ने बताई 'फोटो अपार्चुनिटी'

बूचा। यूक्रेन के कई इलाकों से रूसी सेनाएं भले ही पीछे हटी हों लेकिन इन क्षेत्रों से जो तस्वीरें सामने आ रही हैं वे दिल दहलाने वाली हैं। यूक्रेन के अधिकारियों के मुताबिक कीव क्षेत्र के कस्बों में 410 नागरिकों के शव बरामद हुए हैं। अधिकारियों का कहना है कि शवों के हाथ बंधे पाए गए हैं जबकि कुछ को समीप से गोली मारी गई है। दुनियाभर में रूसी सेना के इस कृत्य की निंदा हो रही है जबकि राष्ट्रपति वोलोदोमिर जेलेंस्की ने इसे नरसंहार करार दिया है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है कि यूक्रेन की सरकार ने इन शवों की तस्वीरें और वीडियो पश्चिमी मीडिया के लिए शूट किया है। रूस का कहना है कि उसकी सेना ने नागरिकों को निशाना नहीं बनाया है। दूसरी ओर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एलान किया है कि उनकी सरकार इस नरसंहार की जांच के लिए एक विशेष न्याय तंत्र गठित करेगी जिसमें अंतरराष्ट्रीय अभियोजक और न्यायाधीश भी

शामिल होंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि रूसी सेना के युद्ध अपराधों को दंडित करने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे। वहीं राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने सड़कों पर पड़े शवों को भयावह बताया है। उनका आरोप है कि मारे जाने से पहले कुछ महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया था। बुचा के आसपास विभिन्न जगहों पर कम से कम 21 शव पाए गए हैं। माना जा रहा है कि लोगों को गोली मारने से पहले उन्हें प्रताड़ित किया गया था। जर्मनी समेत तमाम देशों ने रूसी सेना के बर्बर कृत्य की निंदा की है।यूरोपीय संघ के शीर्ष राजनयिकों ने भी इस बर्बर नरसंहार की निंदा की है। वहीं समाचार एजेंसी एपी की रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिटेन ने कहा है कि रूस अब पूर्वी यूक्रेन पर फोकस कर रहा है। वह पूर्वी यूक्रेन में अपने सैनिकों की तैनाती को मजबूत कर रहा है। रूसी सेनाएं डोनबास प्रांत पर ध्यान दे रही हैं। रूस अब मारियुपोल शहर पर कब्जा करने के लिए पूरी ताकत लगा रहा है। मारियुपोल शहर पर हमले जारी हैं लेकिन यूक्रेनी सेनाएं कड़ी टक्कर दे रही हैं।

इमरान खान ने कार्यवाहक पीएम के रूप में पूर्व मुख्य न्यायाधीश गुलजार अहमद का किया प्रस्ताव, विपक्ष को बताया भ्रष्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि विपक्ष अपनी भ्रष्ट प्रथाओं को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय सुलह अध्यादेश दो लाने की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि वे अब तक अपांयर को अपने पक्ष में मैच जीतते रहे हैं। वहीं रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, इमरान खान ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश गुलजार अहमद को कार्यवाहक प्रधान मंत्री के रूप में प्रस्तावित किया है।इमरान खान ने कहा कि उनके शासन के दौरान 90 प्रतिशत से अधिक भ्रष्टाचार के मामले हुए।

वे अरबों रुपये विदेश भेजना चाहते हैं। वे अपना साम्राज्य बनाना चाहते हैं। वे चुनाव आयोग के साथ हस्तक्षेप करना चाहते हैं। उन्होंने केवल अंपायर को अपने पक्ष में करके मैच जीतते रहे हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष पिछले 3.5 साल से सत्ता में बदलाव की मांग कर रहा है। अब जब मैंने जल्दी चुनाव कराने का आह्वान किया है

तो वे सुप्रीम कोर्ट जाना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि वे कहते रहे हैं कि मेरा शासन खराब था। वे कहते थे कि लोग हम पर अंडे फेंकेंगे। वे कहते थे कि हमने देश को नष्ट कर दिया। उन्होंने पीएम में बदलाव की मांग की और चुनाव का आह्वान किया। इमरान खान ने जल्द चुनाव के आह्वान पर विपक्ष के हालिया विरोध पर पलटवार करते हुए कहा कि अब सवाल यह है कि अगर वे यही चाहते थे तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रास्ता क्यों अपनाया। वे चुनाव के लिए कहते थे तो उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रास्ता क्यों चुनाउन्होंने विपक्ष पर सवाल किया तो बेहतर क्या है लोगों की पसंद से शासन करना या विदेशी साजिश से सत्ता में आना। पीएम ने दोहराया कि विपक्ष भ्रष्ट है। उन्होंने 20-25 करोड़ में अपना विवेक बेच दिया है। राष्ट्रपति द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने के बाद सुप्रीम कोर्ट बार अहसान भून ने मुख्य न्यायधीश को स्थिति का नोटिस लेने और असंवैधानिक कदम को शून्य घोषित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा भंग करने का कोई संवैधानिक औचित्य नहीं है। पाकिस्तान में भारी राजनीतिक नाटक के बीच सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का स्वतः संज्ञान लिया है।

सिंगापुर में सेना प्रमुख नरवणे ने द्वितीय विश्व युद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

सिंगापुर। भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने सिंगापुर में क्रानजी युद्ध स्मारक का दौरा किया और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान कर्तव्य निभाते हुए शहीद होने वालों को श्रद्धांजलि दी। यह स्मारक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सिंगापुर और मलाया को जापानी हमलावरों से बचाने के दौरान जान गंवाने वाले उन पुरुषों और महिलाओं को

समर्पित है जो भारत, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, श्रीलंका, मलाया, नीदरलैंड और न्यूजीलैंड के निवासी थे।भारतीय सेना के अतिरिक्त महानिदेशक (सार्वजनिक सूचना) ने ट्वीट कर कहा कि यात्रा के पहले दिन जनरल नरवणे ने सिंगापुर में क्रानजी युद्ध स्मारक का दौरा कर द्वितीय विश्वयुद्ध के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। जनरल नरवणे द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को और मजबूत करने के तौर-तरीकों का पता लगाने के लिए तीन दिवसीय सिंगापुर यात्रा पर हैं। वह 4 से 8 अप्रैल तक सिंगापुर की अपनी यात्रा के दौरान वहां के वरिष्ठ सैन्य असैन्य नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। वह सिंगापुर में कुछ सैन्य प्रतिष्ठानों का भी दौरा करेंगे।

श्रीलंका में कर्फ्यू के बावजूद बिगड़े हालात, 600 गिरफ्तार, पुलिस ने दागे आंसू गैस के गोले, प्रशासन ने बढ़ाई सख्ती

कोलंबो। श्रीलंका में 36 घंटों के राष्ट्रव्यापी कर्फ्यू का उल्लंघन करने और देश के सबसे गंभीर आर्थिक संकट के मद्देनजर सरकार विरोधी रैली आयोजित करने का प्रयास करने के लिए देश के पश्चिमी प्रांत में 600 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सरकार द्वारा लगाए गए सप्ताहांत कर्फ्यू का उल्लंघन करने के लिए विपक्षी सांसदों ने अपने नेता सजित प्रेमदासा के नेतृत्व में ऐतिहासिक इंडिपेंडेंस स्क्वायर की ओर विरोध मार्च निकाला था।

664 लोग हुए गिरफ्तार

सरकार ने विरोध प्रदर्शन के इस पूर्व नियोजित कार्यक्रम के मद्देनजर शनिवार को कर्फ्यू की घोषणा की थी। प्रेमदासा का कहना था, 'हम प्रदर्शन करने से संबंधित जनता के अधिकारों का हनन करने के लिए सरकार द्वारा

सार्वजनिक सुरक्षा अध्यादेश का दुरुपयोग करने का विरोध कर रहे हैं।' 'कोलंबो गजट' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिमी प्रांत में कुल 664 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रहने के विरोध में रविवार को एक 53 वर्षीय व्यक्ति नशे की हालत में राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के निजी आवास के बाहर बिजली के खंभे पर चढ़ गया और तेज करंट की चपेट में आ गया। राष्ट्रपति राजपक्षे ने शुक्रवार देर रात एक विशेष गजट अधिसूचना जारी कर श्रीलंका में एक अप्रैल से आपातकाल लगा दिया था। साथ ही शनिवार शाम छह बजे से सोमवार सुबह छह बजे तक 36 घंटे का कर्फ्यू लगाया था।

महिंदा राजपक्षे नहीं देंगे इस्तीफा

इस बीच प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे की अफवाह उड़ी जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय ने खारिज कर दिया। समाचार एजेंसी एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के प्रधानमंत्री कार्यालय ने रविवार को राजपक्षे के इस्तीफे की खबरों को गलत बताते हुए कहा कि ऐसी कोई योजना नहीं है। मौजूदा वक्त में श्रीलंका विदेशी मुद्रा की कमी का सामना कर रहा है जिसके कारण भोजन, ईंधन, बिजली और गैस की कमी हो गई है। श्रीलंका ने मित्र देशों से आर्थिक मदद मांगी है।

पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति तक पद पर बने रहेंगे इमरान : राष्ट्रपति अल्वी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने सोमवार को एक अधिसूचना जारी कर कहा कि इमरान खान कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक मुल्क के प्रधानमंत्री बने रहेंगे। अधिसूचना में कहा गया है कि मौजूदा प्रधानमंत्री, कार्यवाहक प्रधानमंत्री की नियुक्ति होने तक पद पर बने रहेंगे। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, राष्ट्रपति अल्वी ने प्रधानमंत्री खान और निवर्तमान नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ को भी एक पत्र लिखकर उनसे कार्यवाहक प्रधानमंत्री के तौर पर नियुक्ति के लिए योग्य व्यक्तियों के नाम का प्रस्ताव देने को कहा है। पत्र में कहा गया है कि नेशनल असेंबली (एनए) और संघीय मंत्रिमंडल को संविधान के अनुसार रविवार को भंग कर दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि अल्वी ने उन्हें बताया कि अगर वे एनए भंग करने के तीन दिनों के भीतर नियुक्त पर राजी नहीं होते हैं तो वे अध्यक्ष द्वारा गठित एक समिति को दो उम्मीदवारों के नाम भेज सकते हैं। इस समिति में निवर्तमान एनए या सीनेट या दोनों के आठ सदस्य होंगे और सत्ता तथा विपक्ष का समान प्रतिनिधित्व होगा। सत्ता और विपक्ष की समिति के सदस्य प्रधानमंत्री और विपक्ष के नेता द्वारा नामांकित किए जाएंगे। राष्ट्रपति सचिवालय ने एक बयान में कहा कि संविधान ने राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री और निवर्तमान एनए के विपक्ष के नेता से परामर्श कर कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त करने का अधिकार दिया है।

शाहबाज शरीफ ने इमरान खान पर पाकिस्तान में 'सिविल मार्शल ' लगाने का लगाया आरोप, कहा- संविधान को दी खुले तौर पर चुनौती

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजनीति में रविवार का दिन बेहद हंगामेदार रहा। इस बीच, इमरान खान के अमेरिका द्वारा धमकी के दावे का जिक्र करते हुए पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के नेता शाहबाज शरीफ ने कहा कि 8 मार्च को अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और अगर कोई खतरा था तो इसे 24 मार्च से पहले क्यों नहीं उठाया गया। प्रेस कांफ्रेंस करते हुए पीएमएल-एन प्रमुख ने कहा कि इमरान खान ने अपनी पार्टी के सदस्यों के साथ पाकिस्तान के संविधान को खुले तौर पर चुनौती दी है।

उन्होंने कहा कि इमरान खान और उनके समूह द्वारा कल संविधान का उल्लंघन किया गया। प्रस्तुत किया गया था, अगर अमेरिका से कुछ संदेश आया था

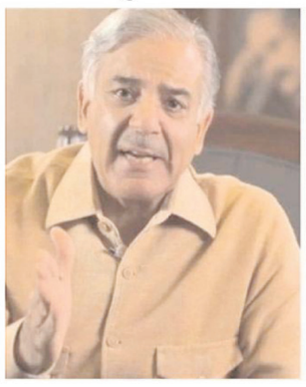

तो उन्होंने इसे 24 मार्च क्यों नहीं उठाया। नेशनल असेंबली के विघटन और अविश्वास प्रस्ताव को खारिज करने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि इमरान खान ने देश में 'सिविल मार्शल ला' लगाया है। शरीफ ने कहा कि अदालत के आदेशों का उल्लंघन करते हुए (तत्कालीन) प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने अतिरिक्त संवैधानिक कदम उठाए हैं। पीएमएल-एन नेता ने यह भी कहा कि यह सच है कि कोई भी सदन की कार्यवाही को चुनौती नहीं दे सकता लेकिन अगर वहां संविधान का उल्लंघन होता है तो क्या इसकी रक्षा नहीं की जाएगी?

देश को संवैधानिक संकट में डालने वाले निचले सदन में कल की घटनाओं के नाटकीय मोड़ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि फवाद चौधरी और अध्यक्ष ने लिखित पत्रों को पढ़ा था।

विपक्ष के ये बड़े नेता रहे मौजूद

प्रेस कांफ्रेंस के दौरान उनके साथ पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के नेता असद महमूद, मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान एमक्यूएम-(पी) के संयोजक खालिद मकबूल सिद्दीकी, बलूचिस्तान नेशनल पार्टी भी थे। , इस्लामाबाद में मेंगल (बीएनपी-एम) प्रमुख अख्तर मेंगल और अन्य रहे। बता दें कि पाकिस्तान की नेशनल असेंबली भंग कर दी गई। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने कहा है कि पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 224 ए के तहत कार्यवाहक पीएम की नियुक्ति तक इमरान खान प्रधान मंत्री बने रहेंगे। अल्वी ने एक ट्वीट में कहा कि इमरान अहमद खान नियाजी पाकिस्तान के इस्लामी गणराज्य के संविधान के अनुच्छेद 224 ए (4) के तहत कार्यवाहक प्रधान मंत्री की नियुक्ति तक प्रधान मंत्री के रूप में बने रहेंगे।

नवाज शरीफ पर फिर हमला : पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री पर 24 घंटे में दूसरा हमला

लंदन। पाकिस्तान में चले रहे सियासी घटनाक्रम के बीच पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर दूसरी बार हमला हुआ है। वह इन दिनों लंदन में हैं। इस बार उनके ब्रिटेन स्थित कार्यालय को निशाना बनाया गया है। बताया जा रहा है कि, करीब 15 से 20 नकाबपोश लोगों ने उनके कार्यालय पर हमला बोला और तोड़फोड़ की। अभी तक इस मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

इमरान के समर्थक थे हमलावर -आरोप लगाया जा रहा है कि लंदन में नवाज शरीफ पर हमला करने वाले इमरान खान के समर्थक थे। वे सभी उनकी पार्टी पीटीआई के कार्यकर्ता थे, उनकी गाड़ियों पर पीटीआई के झंडे भी लगे हुए थे। जियो न्यूज ने इस घटना का एक वीडियो भी जारी किया है। बताया जा रहा है कि इस घटना में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इसमें दो नवाज शरीफ की पार्टी कार्यकर्ता व तीन

हमलावर घायल हैं।

24 घंटे के अंदर दूसरा हमला -पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ पर ऐसा हमला 24 घंटे के अंदर दूसरी बार हुआ है। इससे पहले रविवार को उनके ऊपर किसी ने मोबाइल फेंका था। इसमें वह बाल-बाल बच गए। हालांकि, नवाज शरीफ का अंगरक्षक इससे घायल हो गया था। हमले के बाद नवाज की बेटी व पीएमएल-एन की नेता मरियम नवाज ने पीटीआई पर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि, पीटीआई के जो लोग हिंसा का सहारा ले रहे हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

धर्मशाला से गहरा प्रेम और आत्मीयता का रिश्ता: दलाई लामा

धर्मशाला। कोविड काल के बाद पहली बार तिब्बती धर्मगुरू दलाई लामा ने कांगड़ा जिला के स्थानीय अधिकारियों को अपना आशीर्वाद दिया। मैक्लोड़गंज स्थित अपने आवास पर दलाई लामा ने विशेष श्रोताओं के तौर पर इन अधिकारियों को आर्शीवचन दिए। धर्मगुरू दलाई लामा ने अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बातचीत की और भारत में अपने निर्वासन के शुरूआती दिनों को याद किया। उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री जवाहरलाल नेहरू की सलाह पर मसूरी में अपने प्रारंभिक निवास से धर्मशाला में अपने स्थानांतरण के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि

वे धर्मशाला में बहुत सहज हैं और उनका धर्मशाला से गहरा प्रेम और आत्मीयता है। मानसून के दौरान भारी बारिश के बावजूद धर्मशाला को ऊंचाई और जलवायु के मामले में बहुत उपयुक्त बताते हुए, दलाई लामा ने कहा चूंकि हम बर्फ की भूमि से हैं, धर्मशाला में बर्फ गिरने पर हमें बहुत खुशी होती है।

भारत द्वारा प्रदान की गई स्वतंत्रता और सुरक्षा के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, परम पावन ने भारत सरकार और जनता विशेषकर कांगड़ा के अधिकारियों और पुलिस विभाग को उनकी निरंतर सहायता और सुरक्षा के लिए धन्यवाद दिया। परम पावन दलाई लामा ने कहा कि उनके भारतीय पुलिस गार्डों ने 1960 से उन्हें सुरक्षा प्रदान की है। इस दौरान उन्होंने पुलिस कर्मियों और महिलाओं के साथ बातचीत की व्यक्तिगत कहानियां भी साझा की हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा
विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज
से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।